माघ शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 197 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 11-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करना एक भावुक और दिव्य अनुभव : धामी

6 दिल्ली भाजपा की जीत में मुस्लिम मतों का मिथक

7 कोई योजना नहीं, बस बहाव के साथ आगे बढ़ना चाहती हूं : श्रेया चौधरी

फर्स्ट टेक

अमृतसर में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

अमृतसर/भाषा। पंजाब पुलिस ने तीन फरवरी को एक बंद पुलिस चौकी के पास हुए 'विस्फोट' में कथित रुप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एके-47 राइफल, दो पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों ने गिरफ्तारी के बाद कथित तौर पर भागने की कोशिश की। इस दौरान, एक आरोपी ने एक पुलिस अधिकारी की पिस्तौल छीनकर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों को गोली लगी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मणिपुरः सात उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार तथा गोला-बारूद बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन 'नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर' (एनआरएफएम) के एक ठिकाने का पता लगाकर सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार को तेल्लौ माखा लेईकाई में छापा मारा और उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इनके पास से मैगजीन तथा 15 कारतूस सहित एक ए1 असॉल्ट राइफल, 13 कारतूस सहित एक एके-47 राइफल, मैगजीन तथा 12 कारतूस सहित दो इंसास राइफल, मैगजीन तथा 30 कारतूस सहित दो सेल्फ-लोडिंग राइफल, पांच बुलेटप्रूफ जैकेट और अन्य सामान जब्त किए गए।

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने विधायक यतनाल को फिर जारी किया नोटिस

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय नेतृत्व ने सोमवार को असंतुष्ट भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को एक नया कारण बताओ नोटिस जारी किया और उनसे पूछा कि 'आश्वासन देने के बाद भी उसका उल्लंघन करने' पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। यतनाल ने भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और उनके पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पाके खिलाफ बगावत कर दिया है। यतनाल को भेजे पत्र में केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक ने कहा, '' पार्टी ने आपके द्वारा लगातार दिए जा रहे तीखे बयान और पार्टी अनुशासन के उल्लंघन को संज्ञान में लिया है, जो भारतीय जनता पार्टी के संविधान और उसके नियमों में निहित अनुशासन संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है।''

11-02-2025 सूर्यास्त 6:24 बजे | 12-02-2025 सूर्योदय 6:43 बजे

BSE	NSE
77,311.80	23,381.60
(-548.39)	(-178.35)

सोना	चांदी
8,924 रु.	98,338 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जीता जो सिकंदर

परिवर्तित परिणात हुए तो,
रहे पराजित मन मसोस कर।
यह चुनाव का अविचल रथ जो,
लोकतंत्र चले निरंतर।
अंतर चाहे न्यून भले पर,
जो जीते वो बने सिकंदर।
काम करेंगे नहीं अगर जो,
हो जाएंगे वे छूमंतर।।

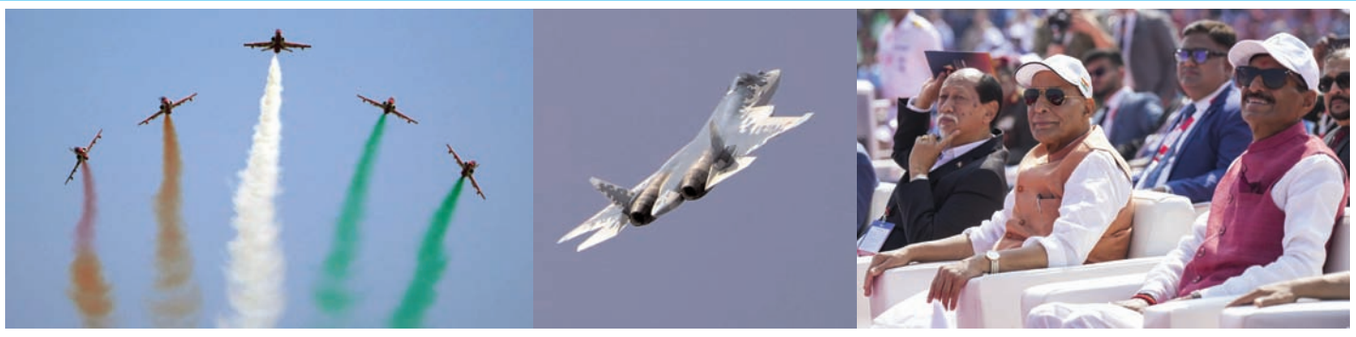

एशिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस तथा रक्षा प्रदर्शनी 'एयरो इंडिया' बेंगलूरु में शुरू

बेंगलूरु में एयरो इंडिया-2025 के दौरान एसयू-57, एफ35 लड़ाकू विमानों ने जलवा बिखेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने सोमवार को बेंगलूरु स्थित येलहंका वायुसेना अड्डे में 'एयरो इंडिया' के 15वें संस्करण का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने किया। इसे एशिया की सबसे बड़ी 'एयरोस्पेस' और रक्षा प्रदर्शनी माना जाता है। 'रनवे टू ए बिलियन ऑपर्च्युनिटीज' के विषय के साथ, पांच दिवसीय इस भव्य आयोजन में भारत की हवाई ताकत और स्वदेशी अत्याधुनिक नवाचारों के साथ-साथ वैश्विक एयरोस्पेस कंपनियों के अत्याधुनिक उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' दृष्टिकोण के अनुरूप, यह कार्यक्रम स्वदेशीकरण को तेज करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत बनाने के वास्ते एक मंच भी प्रदान करेगा, जिससे 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के केंद्र सरकार के संकल्प को बल मिलेगा।

इस मौके पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) अनिल चौहान, अन्य लोगों ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। 'एयरो इंडिया' 10 से 14 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। शुरुआती तीन दिन सिर्फ उद्यमियों के लिए होंगे, जबकि 13 से 14 फरवरी को आम लोग भी यहां आ सकेंगे। यह अब तक का सबसे बड़ा 'एयरो इंडिया' कार्यक्रम होने वाला है, क्योंकि इस बार इसका दायरा बढ़ाकर 42,000 वर्ग मीटर से अधिक कर दिया गया है और 150 विदेशी कंपनियों सहित 900 से अधिक प्रदर्शक इसमें शामिल होंगे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि यह भारत की एयरोस्पेस और रक्षा क्षमताओं में बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है कि 90 से अधिक देश इसमें भाग ले रहे हैं।

युद्ध की बदल रही प्रकृति के चलते समाधान अपनाने, उसमें लगातार सुधार करने की जरूरत : राजनाथ

बेंगलूरु/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि युद्ध की तेजी से बदल रही प्रकृति के चलते लगातार समाधान अपनाने और उनमें सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रक्षा विनिर्माण में प्रयासों को उभरते क्षेत्रों के लिए जवाबी उपाय बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से आगे आने और विस्तारित भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा पेश किए गए अवसरों का उपयोग करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, ''ये अवसर रक्षा उत्पादन में हमारी आत्मनिर्भरता की नीतियों से प्रेरित हैं एवं अनुकूल नीति व्यवस्था द्वारा सुगम बनाए गए हैं।''

रक्षा मंत्री ने 'एयरो इंडिया' के 15वें संस्करण के तहत सीईओ गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सिंह ने कहा, ''इस सम्मेलन का सार यह है कि भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी रक्षा निर्माता और सेवा प्रदाता बनाने के लिए कैसे हाथ मिलाया जाए। यह सब कृत्रिम मेधा (एआई), क्वांटम तकनीक और अन्य नई तकनीकी क्रांतियों की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''चूंकि युद्ध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए हमें लगातार समाधान अपनाने और उनमें सुधार करने की जरूरत है।'' सिंह ने कहा, ''उदाहरण के लिए, पहले विशुद्ध सैन्य उपकरण आधारित प्रणालियों पर निर्भरता थी। अब सॉफ्टवेयर आधारित प्रणालियां इसकी जगह ले रही हैं। आज, सैन्य अभियानों में संचार और डेटा साझा करने की प्रकृति बहुत अधिक जटिल होती जा रही है। अंतरिक्ष आधारित दिशासूचक प्रणाली, अंतरिक्ष आधारित संचार और निगरानी पर हमारी निर्भरता का अर्थ है कि अंतरिक्ष आधारित परिसंपत्तियों को हमारी परिचालन योजनाओं में एकीकृत करना होगा।''

रक्षा मंत्री ने कहा, ''हाल के संघर्षों में ड्रोन के इस्तेमाल से यह संकेत मिलता है कि भविष्य मानवयुक्त, मानवरहित और स्वायत्त युद्ध प्रणालियों के एकीकृत प्रयासों पर निर्भर करेगा, इसलिए रक्षा विनिर्माण में हमारे प्रयासों को इन उभरते क्षेत्रों के लिए जवाबी उपाय बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।''

राष्ट्रपति ने महाकुंभ-2025 के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ-2025 के त्रिवेणी संगम में सोमवार को डुबकी लगाई और बड़े हनुमान जी, अक्षयवट और सरस्वती कूप के दर्शन किए।

इस दौरान प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति सुबह विशेष विमान से प्रयागराज हवाई अड्डे पहुंचीं, जहां राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहां से वह अरैल पहुंचीं और नाव से संगम पहुंचकर स्नान किया।

अधिकारियों के अनुसार, नाव से संगम घाट जाते समय आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति मुर्मू को गंगा और यमुना नदी तथा उसके प्रवाह के बारे में जानकारी दी।

ममता कुलकर्णी ने दिया महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। फिल्म जगत से अध्यात्म के क्षेत्र में आईं और हाल ही में किन्नर अखाड़ा में महामंडलेश्वर पद पर आसीन हुईं ममता कुलकर्णी ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि उर्फ टीना मां ने 'पीटीआई-भाषा' से ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा देने की पुष्टि की।

ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं महामंडलेश्वर यमाई ममता नंद गिरि अपने पद से इस्तीफा देती हूं। किन्नर अखाड़े और दूसरे संतों के बीच मुझे महामंडलेश्वर बनाए जाने को लेकर दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा, पच्चीस साल तपस्या के बाद मुझे यह सम्मान दिया गया था। मैंने देखा कि मुझे महामंडलेश्वर पद दिए जाने से कई लोगों को आपत्ति हुई। मैंने चैतन्य गगन गिरि महाराज के सानिध्य में 25 साल घोर तपस्या की।

जल्द से जल्द जनगणना कराई जाए : सोनिया गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 14 करोड़ पात्र भारतीयों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलने वाले लाभों से वंचित किए जाने का सोमवार को दावा किया और सरकार से जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग की।

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य सुरक्षा विशेषाधिकार नहीं बल्कि नागरिकों का एक मौलिक अधिकार है।

गांधी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 75 प्रतिशत ग्रामीणों के साथ ही 50 प्रतिशत शहरी आबादी सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है। उन्होंने कहा कि हालांकि लाभार्थियों के लिए कोटा अब भी 2011 की जनगणना के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जो अब एक दशक से अधिक पुरानी है। उन्होंने कहा, ''स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार जनगणना में 4 साल से अधिक की देरी हुई है। मूल रूप से यह 2021 के लिए निर्धारित थी लेकिन अब भी इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि जनगणना कब आयोजित की जाएगी।''

किसी को भी परीक्षा को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को प्रसारित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के आठवें संस्करण में नेतृत्व के पाठ से लेकर ध्यान, परीक्षा बनाम ज्ञान से लेकर एक बल्लेबाज की तरह ध्यान केंद्रित करने तक, कई विषयों पर छात्रों के साथ बात की।

पारंपरिक 'टाउन हॉल' प्रारूप से हटकर मोदी ने इस बार अधिक अनौपचारिक व्यवस्था को प्राथमिकता दी और लगभग 35 छात्रों से यहां सुंदर नर्सरी में अधिक गहन एवं मुक्त बातचीत की। इस कार्यक्रम का राष्ट्रव्यापी प्रसारण देश के विभिन्न भागों से छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने देखा।

मोदी ने छात्रों से कहा कि 'ज्ञान' और परीक्षा दो अलग अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी परीक्षा को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए।

देश भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए छात्रों के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों को किसी दायरे में बांधा नहीं जाना चाहिए और उन्हें अपनी अभिलाषा को तलाशने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने छात्रों से अपने समय का उपयोग योजनाबद्ध तरीके से करने को कहा ताकि इसका प्रभावी प्रबंधन हो सके।

प्रधानमंत्री ने छात्रों से 'अपने समय, अपने जीवन पर नियंत्रण रखने, वर्तमान में जीने, सकारात्मकता की तलाश करने और पोषण' जैसे मुद्दों पर बात की।

माता-पिता से अपने बच्चों को दिखावे के लिए मॉडल के रूप में इस्तेमाल नहीं करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए बल्कि उनका समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से यह आम धारणा है कि अगर कोई 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक नहीं लाता है, तो उसका जीवन बर्बाद हो जाता है।

एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस पहुंचे

पेरिस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फ्रांस पहुंचे, जहां वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ 'एआई एक्शन समिट' की सह-अध्यक्षता करेंगे और उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, अपने आगमन की तस्वीरें संलग्न करते हुए कहा, ''थोड़ी देर पहले पेरिस पहुंचा हूं। यहां विभिन्न कार्यक्रमों की प्रतीक्षा कर रहा हूं, जो एआई, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे।'' प्रधानमंत्री के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट में कहा, ''पेरिस में एक यादगार स्वागत! ठंड के मौसम के बावजूद भारतीय समुदाय ने आज शाम अपना स्नेह दिखाया। हम अपने प्रवासी समुदाय के प्रति आभारी हैं और उनकी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं!''

रणवीर इलाहाबादिया की टिप्पणी पर विवाद : सोशल मीडिया नियमन की मांग तेज

विवाद बढ़ने के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने 'एक्स' पर एक वीडियो जारी कर माफी मांगी और स्वीकार किया कि उनकी टिप्पणी अनुचित थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर इलाहाबादिया की विवादित टिप्पणी को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सरकार और यूट्यूब से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, सांसदों ने भी इस विवाद पर नाराजगी जताई और सोशल मीडिया के नियमन की जरूरत पर जोर दिया।

एनसीडब्ल्यू की कड़ी प्रतिक्रिया

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष विजया रहाटकर ने सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर अनुचित और अश्लील सामग्री को रोकने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। आयोग ने कहा कि इस तरह की सामग्री समाज, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों, पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

सांसदों ने की आलोचना

नियमन की मांगभाजपा सांसद जगदंबिका पाल और शिवसेना (उद्धव) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इलाहाबादिया की टिप्पणी को अश्लील और अस्वीकार्य करार दिया। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वह इस मुद्दे को संसद की सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार स्थायी समिति की बैठक में उठाएंगी।

विवादित टिप्पणी और माफी

यह विवाद तब भड़का जब रणवीर इलाहाबादिया ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में एक प्रतिभागी से उसके माता-पिता और यौन संबंधों को लेकर आपत्तिजनक सवाल पूछा। सोशल मीडिया पर उनके पॉडकास्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी। विवाद बढ़ने के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने 'एक्स' पर एक वीडियो जारी कर माफी मांगी और स्वीकार किया कि उनकी टिप्पणी अनुचित थी। उन्होंने कहा, कॉमेडी मेरी खासियत नहीं है, मैं अपने मंच का बेहतर उपयोग करूंगा।

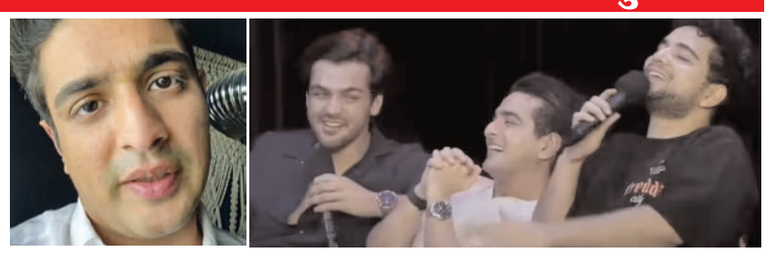

एनएचआरसी की यूट्यूब को चेतावनी

एनएचआरसी के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने यूट्यूब को पत्र लिखकर इस विवादित एपिसोड को हटाने और इलाहाबादिया के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि इस सामग्री से समाज में गलत मानसिकता को बढ़ावा मिल सकता है और यह भारतीय कानूनों का उल्लंघन करती प्रतीत होती है।

राजनीतिक और सामाजिक विरोध

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वह क्लिप नहीं देख सके, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाएं होनी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और लेखक नीलेश मिश्रा ने भी इलाहाबादिया की आलोचना करते हुए कार्रवाई की मांग की।

सरकारी कदमों पर नजर

यह मामला सोशल मीडिया पर नैतिकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बहस को फिर से सामने ले आया है। अब यह देखना होगा कि सरकार इस मामले पर क्या कदम उठाती है और क्या सोशल मीडिया के लिए नए नियम बनाए जाते हैं।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के लक्ष्मी रंगनाथ शिक्षण संस्थान द्वारा हंपीनगर स्थित बीबीएमपी खेल मैदान में वार्षिक उत्सव चिगुरु हब्बा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिस देखकर अभिभावक भाव विभोर हो गए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बच्चों को प्रोत्साहित व सम्मानित करते हुए कहा कि बच्चे राष्ट्र के भविष्य है ,उन्हें अच्छे संस्कारों से पोषित करना हम सभी का कर्त्तव्य है। संस्थान प्रबंधन ने मुणोत का सम्मान किया।

वस्त्रदान व अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शहर के स्वास्तिक सेवा संघ द्वारा केंगेरी स्थित एक वृद्धाश्रम व अनाथालय में जरूरतमंद लोगों को संघ के चेयरमैन सतीश मित्तल, अध्यक्ष बिमल सरावगी, सचिव बिनोद अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने वस्त्र वितरित किए। साथ ही उन्हें चावलल बिस्कुट व अन्य खाद्य सामग्री भेंट कर मानवसेवा का कार्य किया। बिमल सरावगी ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है।

सामाजिक समरसता एवं समता की प्रतिमूर्ति थे आचार्य आनंद शास्त्री : असम राज्यपाल

आचार्य आनंद सुब्रमण्यम शास्त्री की स्मृति सभा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बनशंकरी स्थित धर्मगिरी मंजुनाथेश्वरा मंदिर के सभागार में गीता मर्मज्ञ आचार्य आनन्द सुब्रमण्यम शास्त्री की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस मौके पर असम के राज्यपाल लक्ष्मणप्रसाद आचार्य ने शास्त्रीजी द्वारा लिखित 'विचारों के फूल' नामक पुस्तक का विमोचन किया तथा शास्त्रीजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। ज्ञातव्य है कि वाराणसी में जन्मे, कर्नाटक निवासी आचार्य श्री आनंद सुब्रमण्यम शास्त्री का गत माह स्वर्गालोक हो गया था।इस मौके पर राज्यपाल लक्ष्मणप्रसाद आचार्य ने कहा कि स्वामीजी 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना से जीते थे। वे पूरे विश्व को ही अपना परिवार मानते थे तथा उनका कहना था कि व्यक्ति का विकास महत्वपूर्ण है क्योंकि व्यक्ति का विकास होने से ही समाज और राष्ट्र का विकास संभव है। उन्होंने अत्यंत सरल और सहजशैली में हम सब को गीता के ज्ञान से अवगत कराया।

व्यक्ति विकास संगठन के अध्यक्ष विपिन राम अग्रवाल ने भी अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि गुरुजी से दो दशक से भी अधिक समय से जुड़कर उनके सान्निध्य में गीता के गूढ़ विचारों को सरलता से जानने का अवसर मिला। आचार्यजी की ज्येष्ठ पुत्री उषारानी राव ने कहा कि उन्होंने आचार्यजी को केवल एक पिता के रूप में ही नहीं, अपितु एक विचारक और भारतीय संस्कृति के मार्गदर्शक के रूप में अनुभव किया है। आचार्यजी भारतीय वांगमय के सजग प्रहरी के रूप में काम करते रहे। इस मौके पर शहर के पूर्व डीसीपी ईश्वर प्रसाद, प्रो. रविकुमार, भास्कर अवधानी, के चन्द्रमौली, सत्यप्रकाश शास्त्री, डॉ. केटी विश्वनाथ आदि ने स्वामीजी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 185 मरीज हुए लाभान्वित

मैसूरु/दक्षिण भारत । शहर के बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया जिसमें कोयंबटूर स्थित अरविंद नेत्र चिकित्सालय की चिकित्सीय टीम से सेवा प्रदान की और 185 से अधिक लोगों ने आंखों की जांच की। सस मौके पर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने कहा कि समाज में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में दृष्टिबाधित लोगों की संख्या कम करने की महत्वाकांक्षा के साथ यह सेवा कार्य कर रहे हैं। अरविंद चिकित्सालय के डॉ. देवकृष्णा, डॉ. अर्पणा सहित अनेक सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

'धर्म से ही दुर्गुणों का नाश होता है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्रीरामपुरम जैन स्थानक में विराजित पंडितश्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि इंद्रिय सुखों का त्याग आए बिना सच्ची सेवा भावना नहीं आ सकती है। सेवा वो नूर है, जो इन्सानों को आत्मीयता से जोड़ता है। व्यक्ति के जीवन में संवेदना व मानवता होनी चाहिए। वर्तमान में साधनों के आकर्षण में आकर्षित होकर जीवन शैली में संवेदना घट रही है। साधनों को प्राप्त करने के लिए साध्य 'अर्थ' बन चुका है। भावी पीढी को भी अर्थ प्रधान शिक्षा दे रहे है। धर्म से ही आत्मा अपने भीतर रहे सभी दुर्गुणों पर विजय करती है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

नई पीढ़ी को धर्मशास्त्रों से ज्यादा गूगल पर भरोसा : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रावती। सोमवार को स्थानीय पार्श्वनाथ जिनालय की 37वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सत्तरभेदी पूजा और ध्वजारोहण के बाद बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि वर्तमान समय बौद्धिक और वैचारिक भ्रष्टता का युग है। आज लोगों को धर्मशास्त्रों से ज्यादा गूगल पर भरोसा है। कल दुनिया में आया गूगल जो कह देता है, वह सच मान लिया जाता है, लेकिन हजारों साल पुराने धर्मशास्त्र जो कहते हैं, वह गले नहीं उतरता। यह दुर्भाग्यपूर्ण मानसिकता है। ऐसी मानसिकता के चलते भक्ति सफल नहीं हो सकती। बाहर के नश्वर तत्वों और विचारों से मनुष्य इतना आकर्षित और आसक्त हो रहा है कि भीतरी तत्वों से उसका संबंध टूटता जा रहा है। यह अपूरणीय क्षति है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि यदि हम जीवन में यश-कीर्ति, सुख और सफलता चाहते हैं तो हमें वैसा जीने का प्रयत्न करना चाहिए। कर्मवाद और मनोविज्ञान का सिद्धांत है कि जैसा हम कर्म करते हैं, वैसा ही हमें जीवन मिलता है।

इसलिए यदि अपने जीवन में दुःख और विफलताएं आती हैं तो उसके लिए भगवान को दोष देने की आवश्यकता नहीं है। दोष हमारा स्वयं का है। भगवान को भक्त के द्वारा भक्ति की आवश्यकता भी नहीं है। भगवन कमजोर नहीं हैं कि उन्हें भक्त की बैसाखियों की आवश्यकता पड़े। भक्ति तो भक्त की शक्ति, शांति और उन्नति के लिए हैं। जैन संघ के अध्यक्ष रतनचंद लूणिया ने बताया कि ध्वजारोहण के पश्चात आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने सभी श्रद्धालुओं को अक्षत और वासक्षेप से आशीर्वाद प्रदान किया। रात्रिकालीन ज्ञानसत्र में गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि तत्व और अतत्व तथा शाश्वत और नश्वर का भेद करना सीखना होगा। जो झूठ है और नष्ट होने वाला है, उसे पकड़कर बैठेंगे तो सुख नहीं, दुःख ही प्राप्त होगा। मानसिकता बदलनी होगी।

मिथिला महोत्सव 16 फरवरी को, तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के साथ कर्नाटक मिथिला परिषद की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 16 फरवरी को विजयनगर स्थित बंटस संघ सभागार में आयोजित मिथिला महोत्सव के आयोजन पर गहन चर्चा हुई।

आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन में बिहार के कई मंत्री, सांसद एवं प्रमुख गायक उपस्थित होंगे। बैठक में हरिश्चंद्र झा, पवन मिश्रा, पंडित राजगुरु, मणिकांत झा, सुनील ठाकुर, अवनीश किशोर, गिरीश झा, राजकुमार झा, राज राही, रूपेश झा आदि उपस्थित थे।

मुलाकात

सोमवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना के आधिकारिक निवास पर जाते हुए कर्नाटक के भाजपा नेता अरविंद लिंबावली, बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, महेश कुमाटल्ली, बीपी हरीश और एनआर संतोष आदि।

बैठक

सोमवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 'कावेरी' में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अगुवाई में कौशल विकास विभाग पर बजट पूर्व बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, सचिव अरूप कौर, वरिष्ठ अधिकारी आर. रागप्रिया, श्रीविद्या और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कर्नाटक वैश्विक निवेशक सम्मेलन की मेजबानी करने को तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार राज्य के प्रमुख वैश्विक निवेशक सम्मेलन 'इन्वेस्ट कर्नाटक 2025' की मेजबानी करने के लिए तैयार है। निवेशक सम्मेलन का आयोजन 12-14 फरवरी को होगा और इसका उद्घाटन मंगलवार शाम को किया जाएगा। राज्य सरकार के अनुसार, 'रीइमेजिनिंग ग्रोथ' विषय वाले इस शिखर सम्मेलन का लक्ष्य नवाचार, औद्योगिक विकास और वैश्विक भागीदारी को बढ़ावा देने में कर्नाटक के रणनीतिक लाभों को उजागर करना है। इस आयोजन में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव और लगभग 19 देशों की भागीदारी होने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने कहा कि 75 से अधिक प्रमुख वक्ताओं, 25 से अधिक तकनीकी सत्रों, 10 से अधिक देशों के सत्रों और एसएमई चर्चाओं वाले इस कार्यक्रम में वैश्विक आर्थिक रुझानों और उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में गहन जानकारी दी जाएगी। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा है कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मौजूदगी में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी संशोधित एकल खिड़की प्रणाली का शुभारंभ करेंगे। राज्य की नई औद्योगिक नीति 2025-30 का भी इस कार्यक्रम में अनावरण किया जाएगा।

अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग मजबूत बना रहेगा : एयरो इंडिया में अमेरिकी दूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बृहस्पतिवार को होने वाली मुलाकात से पूर्व नयी दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी जॉर्गन के एंड्रयूज ने सोमवार को विश्वास जताया कि रक्षा सहयोग अमेरिका-भारत द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा। यहां 'एयरो इंडिया 2025 (रक्षा प्रदर्शनी)' में अमेरिकी साझेदारी मंडप का उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग को गहरा करने में अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, ''वाशिंगटन में नए ट्रम्प प्रशासन के साथ हमारे अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग की शानदार शुरुआत हुई है। (भारत के विदेश मंत्री एस) जयशंकर हमारे राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।''

एंड्रयूज के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप पहले ही फोन पर एक बार बातचीत कर चुके हैं और वे बृहस्पतिवार को भेंटवार्ता करेंगे। उन्होंने कहा, ''इसलिए हम इन अवसरों को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

हमारे पास यह उम्मीद करने के लिए हर कारण है कि रक्षा सहयोग अमेरिका-भारत द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे देशों के बीच रक्षा व्यापार को और गहरा करने की आवश्यकता पर चर्चा की है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि छोटे स्टार्ट-अप से लेकर मजबूत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और विस्तारित निजी रक्षा क्षेत्र तक, द्विपक्षीय रक्षा व्यापार बढ़ रहा है।''

'एयरो इंडिया 2025' में अमेरिका सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शकों में से एक है। इस रक्षा प्रदर्शनी में अग्रणी अमेरिकी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनियां अगली पीढ़ी के विमान, उन्नत एवियोनिक्स, मानवरहित प्रणालियां, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियां और नवीन रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगी।

मेट्रो किराये में वृद्धि को वापस लेने के लिए भाजपा ने दिया ज्ञापन

मेट्रो स्टेशनों पर लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधायक रवि सुब्रह्मण्यम ने मेट्रो किराया वृद्धि वापस लेने की मांग की है। सोमवार को भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने आज नम्मा मेट्रो प्रबंध निदेशक से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि नम्मा मेट्रो ने देश में मेट्रो के किराए में सबसे अधिक वृद्धि की गई है। हम इसकी निंदा करते हैं। मेट्रो राजस्व कमाने वाला विभाग नहीं है, यह एक सेवा क्षेत्र है; शहर में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए मेट्रो परियोजना लागू की गई है।

उन्होंने मीडिया से कहा कि नम्मा मेट्रो के भाड़े में अचानक मूल्य वृद्धि की हम निंदा करते हैं। राज्य सरकार पहले ही लोगों पर मूल्य वृद्धि थोप चुकी है। उन्होंने कहा कि मेट्रो का किराया अब 46 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है और मेट्रो से मांग की कि मेट्रो स्टेशनों पर लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मेट्रो जनता के लिए है। केवल लाभ को देखना सही नहीं है; इसे बेंगलूरु में यातायात की भीड़ को कम करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। केंद्र सरकार ने इसके लिए धन मुहैया कराया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि यात्रा किराये में वृद्धि उचित नहीं है। मूल्य वृद्धि को तुरंत रोका जाना चाहिए। लोगों को उनकी आवश्यकतानुसार पार्किंग उपलब्ध कराई जानी चाहिए। हमने कुछ मांगें रखी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे संघर्ष करेंगे।

बेंगलूरु के विधायक सी.के. राममूर्ति ने कहा, आज भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मेट्रो के एमडी से मुलाकात की और उन्हें शहर के लोगों की समस्याओं के बारे में बताया।

देश के सभी राज्यों में मेट्रो का किराया कम है। हालाँकि, बेंगलूरु शहर में कीमत बढ़ गई है। यह सही नहीं है कि उन्होंने कोई समिति बना दी और उसकी रिपोर्ट स्वीकार कर ली और उसे लागू कर दिया। बेंगलूरु के विधायकों के साथ चर्चा नहीं की गई। उन्होंने यात्री किराये में वृद्धि की आलोचना की। इस अवसर पर विधायक रवि सुब्रह्मण्यम, सी.के. राममूर्ति, भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, प्रदेश महासचिव पी. राजीव, जिला अध्यक्ष हरीश, पूर्व महापौर गौतम, प्रकाश आदि उपस्थित थे।

मजबूत बनकर हम बेहतर विश्व व्यवस्था के लिए काम कर सकते हैं : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सुरक्षा के लिहाज से कमजोर रहकर कभी भी शांति प्राप्त नहीं की जा सकती है, केवल मजबूत होकर ही हम बेहतर विश्व के लिए काम कर सकते हैं। रक्षा मंत्री ने बेंगलूरु में सोमवार को 'एयरो इंडिया 2025' का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक बड़ा देश होने के नाते भारत हमेशा शांति और स्थिरता का समर्थक रहा है।

सिंह ने कहा, ''हमारे लिए भारत की सुरक्षा या शांति एक दूसरे से अलग नहीं है। सुरक्षा, स्थिरता और शांति साझा विषय हैं और राष्ट्रीय सीमाओं से परे हैं। विदेशों से हमारे मित्रों (एयरो इंडिया में) की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि हमारे साझेदार एक पृथ्वी, एक कुटुंब, एक भविष्य के हमारे दृष्टिकोण को साझा करते हैं।'' एयरो इंडिया 2025 का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने आज की अनिश्चितताओं और उभर रही नयी चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा, ''सुरक्षा के लिहाज से कमजोर रहकर कभी शांति हासिल नहीं की जा सकती। शांति का वट वृक्ष केवल शक्ति की जड़ों पर ही खड़ा हो सकता है। मेरा मानना है कि हम सभी को एक साथ मजबूत होना होगा, तभी हम शांति सुनिश्चित कर पाएंगे। मजबूत होकर ही हम एक बेहतर विश्व व्यवस्था के लिए काम कर पाएंगे।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के इस माहौल में भारत एक ऐसा बड़ा देश है जहां शांति और समृद्धि है। उन्होंने कहा, अगर आप भारत के इतिहास का आकलन करेंगे, तो पाएंगे कि हमने न तो कभी किसी देश पर हमला किया है और न ही हम किसी शक्ति संघर्ष में शामिल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, एक बड़े देश के तौर पर भारत हमेशा शांति और स्थिरता का हिमायती रहा है और जब मैं यह कह रहा हूं, तो यह सिर्फ कहने की बात नहीं है, बल्कि यह हमारे मूल आदर्श की बात है।'' एशिया की सबसे बड़ी 'एयरोस्पेस' और रक्षा प्रदर्शनी माने जाने वाले एयरो इंडिया' के 15वें संस्करण का उद्घाटन सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां येलहांका वायुसेना अड्डे पर किया। एयरो इंडिया के विषय 'द रनवे टू ए बिलियन ऑपर्च्युनिटीज' की ओर इशारा करते हुए सिंह ने कहा, मेरा मानना है कि इससे अधिक उपयुक्त विषय कोई और हो ही नहीं सकता। यह हमें बताता है कि यह एयरो शो' एक अरब से अधिक की आबादी वाले हमारे देश में एक अरब अवसरों को मूर्त रूप देने के अवसर से कम नहीं है।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि आज से शुरू हो रहे एयरो इंडिया के कई उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा, एयरो इंडिया का पहला महत्वपूर्ण उद्देश्य न केवल हमारी औद्योगिक क्षमता बल्कि हमारी तकनीकी प्रगति को भी पूरी दुनिया के सामने प्रदर्शित करना है।

युद्ध की बदलती रही प्रकृति के चलते समाधान अपनाने के लिए उसमें लगातार सुधार करने की जरूरत : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि युद्ध की तेजी से बदल रही प्रकृति के चलते लगातार समाधान अपनाने और उनमें सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रक्षा विनिर्माण में प्रयासों को उभरते क्षेत्रों के लिए जवाबी उपाय बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से आगे आने और विस्तारित भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा पेश किए गए अवसरों का उपयोग करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, ये अवसर रक्षा उत्पादन में हमारी आत्मनिर्भरता की नीतियों से प्रेरित हैं एवं अनुकूल नीति व्यवस्था द्वारा सुगम बनाए गए हैं।

रक्षा मंत्री ने 'एयरो इंडिया' के 15वें संस्करण के तहत सीईओ गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सिंह ने कहा, इस सम्मेलन का सार यह है कि भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी रक्षा निर्माता और सेवा प्रदाता बनाने के लिए कैसे हाथ मिलाया जाए। यह सब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम तकनीक और अन्य नयी तकनीकी क्रांतियों की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, चूंकि युद्ध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए हमें लगातार समाधान अपनाने और उनमें सुधार करने की जरूरत है।

सिंह ने कहा, ''उदाहरण के लिए, पहले विशुद्ध सैन्य उपकरण आधारित प्रणालियों पर निर्भरता थी। अब सॉफ्टवेयर आधारित प्रणालियां इसकी जगह ले रही हैं। आज, सैन्य अभियानों में संचार और डेटा साझा करने की प्रकृति बहुत अधिक जटिल होती जा रही है। अंतरिक्ष आधारित दिशासूचक प्रणाली, अंतरिक्ष आधारित संचार और निगरानी पर हमारी निर्भरता का अर्थ है कि अंतरिक्ष आधारित परिसंपत्तियों को हमारी परिचालन योजनाओं में एकीकृत करना होगा।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि हाल के संघर्षों में ड्रोन के इस्तेमाल से यह संकेत मिलता है कि भविष्य मानवयुक्त, मानवरहित और स्वायत्त युद्ध प्रणालियों के एकीकृत प्रयासों पर निर्भर करेगा, इसलिए रक्षा विनिर्माण में हमारे प्रयासों को इन उभरते क्षेत्रों के लिए जवाबी उपाय बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

एयरो इंडिया : वायुसेना के विमानों ने पहले दिन कलाबाजी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायुसेना के विमानों ने सोमवार को यहां स्वच्छ आकाश में गर्जना के साथ उड़ान भरी और इसी के साथ द्विवार्षिक एयरो इंडिया 2025 का 15वां संस्करण आरंभ हुआ। येलहंका वायुसेना स्टेशन पर विमान ने हवा में हैरतअंगेज कलाबाजी का प्रदर्शन करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पांच दिवसीय यह कार्यक्रम एशिया के सबसे बड़े शो में से एक माना जाता है जिसमें कई देश और कंपनियां हिस्सा लेती हैं और एयरोस्पेस क्षेत्र में अपने उत्पादों और कौशल का प्रदर्शन करती हैं।

टीम का नेतृत्व करते हुए एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने तेजस विमान के साथ इस कार्यक्रम की पहली उड़ान भरी। उन्होंने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। राफेल उड़ाने वाली महिला पायलटों द्वारा शक्ति आकृति ने भारतीय वायुसेना में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित किया। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) ने विभिन्न आकृतियों का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर दर्शक दंग रह गए।

बीएई सिस्टम्स हॉक एमके 132 विमान का उपयोग करते हुए टीम ने करीब से नौ विमानों को उड़ाया। एसकेएटी ने तिरंगा आकृति बनायी। अन्य करतबों में भारतीय नौसेना द्वारा वरुण आकृति, जगुआर विमान द्वारा तीर आकृति और तीन सुखोई विमानों द्वारा त्रिशूल आकृति शामिल थी।

एचएएल के लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों ने भी अपनी कलाबाजियों से दर्शकों को प्रभावित किया। ये हेलीकॉप्टर उच्च ऊंचाई वाले स्थानों पर तैनात रक्षा बलों के लिए काफी मददगार रहे हैं। इस आयोजन का दिलचस्प पहलू यह है कि अमेरिकी लड़ाकू विमान लॉकहीड मार्टिन एफ35 और रूस का सुखोई–एसयू–57 एकसाथ एयरो इंडिया शो में हिस्सा ले रहे हैं। एक सरकारी बयान में कहा गया है, इतिहास में पहली बार एयरो इंडिया 2025 में दुनिया के दो सबसे उन्नत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान 'रूसी एसयू–57 और अमेरिकी एफ–35 लाइटनिंग दो' हिस्सा लेंगे। इसमें कहा गया है कि यह वैश्विक रक्षा सहयोग और तकनीकी उन्नति में एक मील का पत्थर है, जो विमानों में रुचि रखने वालों और रक्षा विशेषज्ञों को इन अत्याधुनिक युद्धक विमानों को देखने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, एफ–35 को द्विवार्षिक शो के दौरान स्थैतिक प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा।

एयरो इंडिया के शुभारंभ के मौके पर एयरो इंडिया की बुकलेट जारी करते हुए केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं अन्य।

वाजपेयी के साथ रहे दो वरिष्ठों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी अभियान 2025 के तहत आज अजातशत्रु पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी समिति ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी के बारे में जानकारी, उनके संपर्क में रहने वाले वरिष्ठजनों की तस्वीरें और अन्य दस्तावेज एकत्र किए। इस मौके पर दो वरिष्ठों को भी सम्मानित किया गया।

इस समय अटलजी पर लिखे गए लेखों को भी एकत्रित किया गया। वरिष्ठ हेमंत कुमार शर्मा और पी.एम. रघुनाथ को सम्मानित किया गया। इन दोनों वरिष्ठों ने अटलजी से जुड़ी यादें भी साझा कीं।

यह कार्यक्रम भाजपा कार्यालय जगन्नाथ भवन में आयोजित किया गया।

वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता हेमंत कुमार शर्मा और पी.एम. रघुनाथ जिन्होंने विभिन्न अवसरों पर वाजपेयी के साथ काम किया था और अनमोल क्षणों का वर्णन किया। इस अवसर पर पूर्व विधान परिषद सदस्य कैप्टन गणेश कार्णिक, पूर्व विधायक व पार्टी के प्रदेश महासचिव पी. राजीव, अभियान के प्रदेश समन्वयक जगदीश हिरेमणी, समिति सदस्य ममता उदय, मीडिया समन्वयक करुणाकर खासले, प्रदेश मीडिया समिति सदस्य वेंकटप्रसाद मालेपति व पार्टी नेता उपस्थित थे।

एचएएल के प्रशिक्षण विमान एचजेटी-36 का नाम अब 'यशस' रखा गया

बेंगलूरु। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने सोमवार को कहा कि उसके प्रमुख प्रशिक्षण विमान, 'हिंदुस्तान जेट ट्रेनर' (एचजेटी–36) में कई तकनीकी बदलाव करने के बाद इसका नाम अब 'यशस' रखा गया है। रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार ने यहां जारी 'एयरो इंडिया 2025' में एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डी.के सुनील और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नए नाम का अनावरण किया।

बलदोटा समूह कोप्पल में लगाएगा विशाल स्टील प्लांट

बेंगलूरु। कर्नाटक स्थित बलडोटा समूह एक विशाल स्टील प्लांट लगाएगा। दी गई जानकारी के अनुसार, यह समूह कर्नाटक के कोप्पल तालुका में 10.50 मिलियन टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता वाला एकीकृत स्टील प्लांट लगाने के लिए 54,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। कंपनी मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की मौजूदगी में वैश्विक निवेशक सम्मेलन में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगी। यह घोषणा बलडोटा समूह के संयुक्त प्रबंध निदेशक राहुल कुमार एन बलडोटा ने की। प्लांट कोप्पल में बलडोटा स्टील एंड पावर लिमिटेड (बीएसपीएल) के नाम से स्थापित किया जाएगा। राहुल कुमार ने बताया कि इस परियोजना से कर्नाटक में स्टील उत्पादन को काफी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य बलडोटा को देश की अग्रणी कंपनी बनाना है। यह परियोजना निस्संदेह स्टील उद्योग में कर्नाटक का गौरव बनेगी।

बता दें कि बलडोटा समूह खनिज अन्वेषण, खनन, औद्योगिक गैसों, पेलेट उत्पादन, पवन ऊर्जा, शिपिंग, अपशिष्ट उपचार उत्पादों में अग्रणी है। यह कर्नाटक में लौह अयस्क खदानों का भी संचालन करता है। खनन क्षेत्र में 70 वर्षों की विरासत के साथ, बलडोटा समूह को केंद्र से लगातार 6 वर्षों तक पांच सितारा रेटिंग पुरस्कार मिल चुके हैं।

कंपनी ने अपनी सीएसआर पहल के तहत 20 लाख पेड़ लगाए हैं और 20 गांवों को गोद लिया है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा शिविर, स्वच्छता और महिला सशक्तीकरण में योगदान दिया है। राज्य की प्रमुख वैश्विक निवेशक बैठक (जीआईएम) ''इन्वेस्ट कर्नाटक 2025' का आयोजन 12–14 फरवरी को किया जाएगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
बेंगलूरु विभाग पर
पार्सल स्पेस, पॉर्किंग एवं एडवर्टाईज़मेंट
विभिन्न अनुबंधों के लिए ई-नीलामी
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए नीचे दिए हुए तारीखें में निविदादाताओं से ई-नीलामी आमंत्रित करते है।
1. रेल कोच रेस्टोरेंट: 12.02.2025, 24.02.2025
2. खानपान और एमपीएस स्टॉल्स: 12.02.2025, 13.02.2025, 17.02.2025, 19.02.2025
3. पार्किंग व पे एंड यूज़: 12.02.2025, 13.02.2025,
4. पार्सल: 12.02.2025, 28.02.2025
5. एड्वर्टाईज़िंग, एटीएम और विभिन्न: 17.02.2025, 18.02.2025, 19.02.2025, 20.02.2025, 21.02.2025, 24.02.2025, 25.02.2025, 26.02.2025, 27.02.2025, 28.02.2025
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक
PUB/773/AAMO/PRB/SWR/2024-25 बेंगलूरु
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
ओपन निविदा सूचना सं: BE-29-2024-25-OT-29

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु विभाग पर छत पर सौर्यीकरण के अंतर्गत कर्मचारियों गृह और एलसी गेटों पर सोलार रूफ टॉप पॉवर प्लांट का प्रावधान।	रु. 21,97,57,278

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 27.02.2025, 15:00 बजे तक
ओपन निविदा सूचना सं: BE-29-2024-25-OT-28

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु विभाग पर छत पर सौर्यीकरण के अंतर्गत स्टेशनों और सर्वीस बिल्डिंग पर सोलार रूफ टॉप पॉवर प्लांट का प्रावधान।	रु. 34,90,34,504

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 26.02.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/बेंगलूरु
PUB/768/AAMO/PRB/SWR/2024-25
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2024-25/85 दिनांक: 31.01.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली - चिक्कजाजूर जं. (यूबीएल - जेआरयू) दोहरीकरण कार्य के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यालय और सर्वीस बिल्डिंग का निर्माण। (उप कार्य-1: राणेबेन्नूर पर वरिष्ठ सेक्शनल इंजीनियर / पी.वे के लिए कांपाऊंड वॉल प्रावधान के साथ साथ कार्यालय और स्टोर का निर्माण कार्य।	रु. 7,51,482/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 21.02.2025, 11:00 बजे तक
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2024-25/86 दिनांक: 31.01.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु विभाग पर ओएच एसीएसआर कंडक्टरों को यूजी केबल से प्रतिस्थापन करना (फेज़ - 3)।	रु. 1,26,05,936/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 21.02.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/मैसूरु
PUB/767/AAMO/PRB/SWR/2024-25
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

बेंगलूरु में एयरोस्पेस उद्योग को बढ़ावा दें और प्रतिभा पलायन को रोकें : उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एयरोस्पेस उद्योग में बेंगलूरु में सर्वोत्तम प्रतिभाएं हैं। यह विमान और हेलीकॉप्टर विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए एक आदर्श स्थान है। विनिर्माताओं को प्रोत्साहित करके हम प्रतिभा पलायन को रोक सकते हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, हम अपने देश की प्रतिभाओं को भारत में ही बनाए रख सकते हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को बेंगलूरु एयर शो 2025 के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही।

उन्होंने कहा, मैं रक्षा मंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे कर्नाटक में एयरोस्पेस उद्योग स्थापित करें और विमान तथा हेलीकॉप्टर निर्माताओं को बेंगलूरु पर अधिक से अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, कर्नाटक भारत में तकनीकी और औद्योगिक प्रगति में अग्रणी राज्य है। हमारे पास विश्वस्तरीय अनुसंधान संस्थानों और अत्याधुनिक एयरोस्पेस कंपनियों के साथ कुशल कार्यबल है। उन्होंने कहा, हाल के वर्षों में कर्नाटक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विकास और निवेश प्रवाह सहित प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में जबरदस्त वृद्धि देखी है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार भविष्य के लिए एक ऐसी औद्योगिक नीति विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करे।

उन्होंने कहा, इस एयर शो के माध्यम से हम यह जान सकते हैं कि आकाश ही सीमा है। बेंगलूरु एयर शो एक प्रमुख आयोजन है जो नागरिक और सैन्य विमानन दोनों में भारत की प्रगति को उजागर करता है। उन्होंने कहा, एयरो इंडिया महज एक शो नहीं है। उन्होंने कहा, यह एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रमाण है और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने का एक मंच है। कर्नाटक 2013 में एयरोस्पेस नीति की घोषणा करने वाला पहला राज्य था। उन्होंने कहा, हमारे राज्य ने देवनहल्ली के निकट एक एयरोस्पेस पार्क स्थापित किया है, जिसमें एयरोस्पेस कम्पनियों के लिए 1,000 एकड़ भूमि आरक्षित की गई है। आज एयरोस्पेस उद्योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए बेंगलूरु सबसे अच्छा शहर है। उन्होंने कहा, बेंगलूरु कई ब्रांडों और सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए उपयुक्त स्थान है। यह व्यापारिक सौदे करने और कम्पनियों के सर्वोत्तम उत्पादों का परीक्षण करने के लिए एकदम सही स्थान है। उन्होंने कहा, बेंगलूरु वह स्थान है जहां एयरोस्पेस का भविष्य आकार ले रहा है।

उन्होंने कहा, बेंगलूरु दुनिया का एकमात्र ऐसा शहर है जहां वाणिज्यिक और रक्षा दोनों हवाई अड्डे चालू हैं। अधिकाधिक महिलाएं इस क्षेत्र में योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा, भारत का एयरोस्पेस उद्योग अमेरिका, फ्रांस और रूस जैसे देशों के साथ साझेदारी के माध्यम से बढ़ रहा है। यह एयर शो वैश्विक बाजार में हमारी स्थिति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, यह प्रदर्शनी देशों को एक साथ आने, ज्ञान साझा करने तथा सभी को लाभ पहुंचाने वाला वातावरण बनाने का एक महान अवसर प्रदान करती है।

प्रयागराज क्षेत्र में निरंतर यात्रियों की सेवा में रेलवे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कुछ समाचार माध्यमों में ऐसी खबरें आई हैं कि प्रयागराज के आसपास के रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ के कारण प्रयागराज के स्टेशनों को बंद कर दिया गया है। हालाँकि, यह खबर सच नहीं है। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन के जनसम्पर्क अधिकारी प्रणेश केएन ने एक विज्ञप्ति में बताया कि प्रयागराज क्षेत्र में प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज चौकी, नैनी, सूबेदार गंज, प्रयाग, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग और झूसी स्टेशन पूरी तरह संचालित हैं। 9 फरवरी को प्रयागराज क्षेत्र से कुल 330 ट्रेनें चलीं, जिनमें 12.5 लाख से अधिक यात्री सवार हुए। 10 फरवरी को दोपहर 3 बजे तक कुल 201 ट्रेनें चल चुकी थीं, जिनमें 9 लाख से अधिक यात्री सफर कर चुके थे।

बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की हैं। सभी ट्रेनें निर्धारित समय पर चल रही हैं। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक और प्रयागराज, वाराणसी और लखनऊ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) इस समय प्रयागराज में ही मौजूद हैं।वे रेलवे स्टेशनों पर व्यवस्थाओं की सक्रियता से निगरानी कर रहे हैं, ताकि यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो।

दौरा

बेंगलूरु। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव और नई दिल्ली में रूसी हाउस के निदेशक और रूसी संघ के दूतावास के सलाहकार डॉ. एलेना रेमीज़ोवा ने 10 फरवरी को बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी का दौरा किया और बीसीयू और रूसी विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग के बारे में चर्चा की। कुलपति प्रो. लिंगराज गांधी ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और बीसीयू के शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। डेनिस अलीपोव ने शोध, सेमिनार और सम्मेलनों के संदर्भ में शैक्षणिक, शैक्षिक सहयोग के संभावित क्षेत्रों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी में रूसी अध्ययन केंद्र स्थापित करने के प्रयास किए जाएंगे। चर्चा में रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार (मूल्यांकन), डीन, स्नातकोत्तर विभागों के अध्यक्ष और संकाय सदस्य उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री की अभिनव पहल से बच्चों के सुखद भविष्य की नींव होगी सुदृढ़ : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के 8वें संस्करण में विद्यार्थियों के साथ तनाव मुक्त परीक्षा के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी जयपुर के मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम सुना।

देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों से चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री ने उनको परीक्षा के तनाव से मुक्त रहने और टाइम मैनेजमेंट के उपयोगी सुझाव दिए। प्रधानमंत्री ने बच्चों से कहा कि वे परीक्षा का तनाव महसूस न करें तथा अपने लक्ष्य निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने की बजाय खुद को प्रेरित करते हुए बेहतर बनाने का प्रयास करें क्योंकि जो खुद से स्पर्धा करता है, वह जीवन में कभी भी पीछे नहीं रहता। हमें हमारी विफलताओं से सीख लेते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में अच्छे नंबर लाना उतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना निरंतर ज्ञान अर्जित करना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जीवन में समय प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान अपने अध्ययन तथा अन्य कार्यों की समय सारणी बनाकर समय का सदुपयोग करते हुए उन्हें सम्पादित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तनाव से उबरने में ध्यान और योग बहुत उपयोगी है। नियमित योगाभ्यास से तनाव दूर होने के साथ ही कार्य क्षमता में भी वृद्धि होती है। पीएम ने बच्चों को परीक्षा में प्रश्न पत्र को हल करने संबंधी टिप्स भी दीं।

मोदी ने लीडरशिप पर बात करते हुए कहा कि एक अच्छे लीडर को खुद में सकारात्मक बदलाव कर अन्य लोगों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीम वर्क, धैर्य, जरूरतमंदों की मदद और लोगों का विश्वास जीतना भी एक नेतृत्वकर्ता का महत्वपूर्ण गुण है।

प्रधानमंत्री ने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों पर अपनी महत्वकांक्षाएं थोपे बिना उनकी अभिरूचि और क्षमताओं को समझे और उनकी पसंद का कैरियर चुनने में मदद करें। मोदी ने शिक्षकों से भी अपील की कि वे विद्यार्थियों की आपस में तुलना करने से बचें और संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक विद्यार्थी की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करें।

इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ पोषण, आहार-विहार, मिलेट्स, पर्यावरण संरक्षण तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के बारे में चर्चा की। उन्होंने बच्चों के साथ पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा अपने कर्म, वचन और व्यवहार से देशवासियों को प्रेरित करते हैं। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के रूप में उनकी यह अभिनव पहल बच्चों में परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करके उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई है। इससे विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और उनके सुखद भविष्य की नींव सुदृढ़ होगी।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ.सौम्या गुर्जर, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, आयुक्त स्कूल शिक्षा श्रीमती अनुपमा जोरवाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जय नारायण व्यास विवि जोधपुर के कुलपति श्रीवास्तव निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. के.एल. श्रीवास्तव को कुलपति पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राजभवन के एक बयान में यह जानकारी दी गई। इसके अनुसार श्रीवास्तव को कुलपति पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इसके अनुसार राज्यपाल ने संभागीय आयुक्त जोधपुर की जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्हें निलंबित किया है। जांच रिपोर्ट में प्रो. श्रीवास्तव के विरुद्ध पद का दुरुपयोग करने, राजकार्य में लापरवाही बरतने व विश्वविद्यालय को वित्तीय हानि पहुंचाने के गंभीर आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए गए।

उल्लेखनीय है कि प्रो. श्रीवास्तव के खिलाफ जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय अधिनियम, 1962 (यथा संशोधित) की धारा 10(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तीन दिसंबर 2024 को संभागीय आयुक्त जोधपुर की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया गया था। समिति की जांच में वह दोषी पाए गए। इसके अनुसार राज्यपाल ने इस पर अधिनियम, 1962 (यथा संशोधित) की धारा 11 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें कुलपति पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

सड़क हादसे में महिला व उसकी दो बेटियों की मौत

जयपुर। जयपुर में सोमवार को सड़क हादसे में एक महिला व उसकी दो बेटियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में दो और अन्य घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार हादसा सोमवार सुबह चोमूं-रेनवाल राजमार्ग पर दो कारों की आमने सामने की टक्कर के कारण हुआ। इससे वहां भारी जाम लग गया। क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हटाया गया जिसके बाद यातायात बहाल हो सका। रेनवाल के थाना प्रभारी देवेंद्र चावला ने बताया कि हरसोली ईंट भट्टे के पास दो कारों के बीच टक्कर हुई। इस दुर्घटना में सभी घायलों को दो एंबुलेंस की मदद से रेनवाल (जयपुर) उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें चौमूं रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, किशनगढ़ रेनवाल पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मलिकपुर के बाबूलाल यादव सोमवार सुबह अपने परिवार के साथ निकले थे। उनकी कार, सामने से आ रही कार से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि कार में सवार बाबूलाल यादव की पत्नी जमना देवी (48) और उनकी बेटी शिमला (26) की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार बाबूलाल यादव, उनका बेटा सुनील और दो बेटियां राजू और लक्ष्मी घायल हो गए। इलाज के दौरान लक्ष्मी (20) की भी मौत हो गई।

जिला स्तरीय गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोहः प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, गृह राज्य मंत्री ने किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली-बहरोड़। बानसूर तहसील के माजरा ढाकोड़ा में रविवार को आयोजित जिला स्तरीय गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह में क्षेत्र की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और समारोह में गुर्जर छात्रावास के कमरे व बरामदे का उद्घाटन किया।गृह राज्यमंत्री का उद्बोधन: 2047 तक आत्मनिर्भर राज्य का सपनासमारोह को संबोधित करते हुए मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने क्षेत्र की प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा, हम सभी को मिलकर राज्य को 2047 तक आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित होना होगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से संवाद कर उनकी समस्याओं को भी सुना और उनके समाधान के लिए आश्वासन दिया।

प्रतिभाओं का हुआ सम्मानसमारोह के दौरान शैक्षणिक, खेल, सामाजिक और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। मंत्री ने कहा कि युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे सम्मान समारोह प्रेरणा स्रोत का कार्य करते हैं।समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थितिकार्यक्रम में शीशराम गुर्जर और दीपेंद्र पोसवाल जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग शामिल हुए। गुर्जर छात्रावास के उद्घाटन ने कार्यक्रम को और अधिक महत्व दिया।गृह राज्य मंत्री के इस दौरे और संवाद ने न केवल क्षेत्र की समस्याओं को समझने का अवसर प्रदान किया, बल्कि समाज की उन्नति के लिए एक सकारात्मक संदेश भी दिया।

पाकिस्तानी संदिग्ध व्यक्ति गिरफ्तार, दस्तावेज बनाने में मदद करने वाला आरोपी भी गिरफ्तार

जैसलमेर। राजस्थान पुलिस ने यहां कोतवाली थाना क्षेत्र में बिना वैध वीजा के अवैध रूप से रह रहे एक संदिग्ध पाकिस्तानी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी प्रेमदान रत्नू ने रविवार को बताया कि संदिग्ध पाकिस्तानी युवक को अंतरराष्ट्रीय कॉल पर बातचीत की निगरानी के आधार पर शनिवार को गिरफ्तार किया गया। रत्नू के अनुसार पूछताछ के दौरान संदिग्ध व्यक्ति ने बताया कि भारत में उसका दस्तावेज बनाने में उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद निवासी सचिन ने उसकी मदद की और विनय कपूर के नाम से उसके भारतीय दस्तावेज बनवाये गये।

थानाधिकारी के मुताबिक संदिग्ध व्यक्ति ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि उसका नाम रहीमयार खान (35) है और पाकिस्तान का निवासी है। रत्नू ने बताया कि भारतीय दस्तावेज बनाने में मदद करने वाले सचिन चौधरी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है तथा दोनों से सभी सुरक्षा जांच एजेंसिया पूछताछ कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी नागरिक को अदालत में पेश किया गया और अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा दिया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति कोतवाली थाना क्षेत्र के रीको एरिया गांधी कॉलोनी में रह रहा था। उसके पास से पाकिस्तान का पहचान पत्र, पाकिस्तान मुद्रा एवं भारतीय मुद्रा तथा भारतीय आधार कार्ड, बैंक डायरियां, चैक बुक एवं मोबाइल बरामद किया गया है।

राज्य सरकार प्रदेश में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए कर रही निरंतर कार्य : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मंदिरों ने भारतीय परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों को संरक्षित करने का काम किया है। मंदिर आस्था के प्रतीक होने के साथ ही हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना के भी प्रमुख केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की आत्मा है जिनसे हमारी विरासत मजबूत होती है। हमारी सरकार प्रदेश में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर काम कर रही है।

शर्मा सोमवार को चित्तौड़गढ़ के मातृकुंडिया के पशुपतिनाथ महादेव मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चित्तौड़ की धरती शूरवीरों की धरा है। इस धरती पर वीर महाराणा प्रताप, भक्त शिरोमणि मीराबाई जैसी महान विभूतियां हुई हैं। साथ ही, यह भक्ति और अध्यात्म के एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी प्रसिद्ध है। उन्होंने मातृकुंडिया के पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'मेवाड़ का हरिद्वार' के नाम से प्रसिद्ध मातृकुंडिया में स्थापित यह मंदिर एक महत्वपूर्ण आस्था केन्द्र के रूप में उभरेगा और इस क्षेत्र को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'विकास भी और विरासत भी' की अवधारणा को मानते हुए देश में विकास के साथ विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके नेतृत्व में 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आया है। उन्होंने गरीब कल्याण, आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा, देश की आर्थिक वृद्धि तथा दुनिया में देश का मान-सम्मान बढ़ाया है जिससे देश के विकास को एक नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने प्रदेश की आवश्यकताओं को समझते हुए पहले बिजली-पानी की आवश्यकताओं पर काम किया है। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसे निर्णयों से जहां पानी की आवश्यकता को पूरा किया जा रहा है। वहीं, प्रदेश में किसानों को दिन में बिजली देने के उद्देश्य से राज्य सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वे किसानों के दर्द को भली-भांति समझते हैं। हमारे अन्नदाता किसानों को अगर खेती कै लिए पर्याप्त पानी तथा बिजली मिलेगी तो वे सशक्त होंगे। राज्य सरकार ने किसानों की सम्मान निधि और गेंहू की एमएसपी में वृद्धि जैसे अनेक निर्णय लिए, जिससे किसानों को आर्थिक संबल मिला है। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमने संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे कर लिए हैं तथा प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने तेजाजी मंदिर, मंगलेश्वर मंदिर और पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर जन-स्वास्थ्य आभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल, सहकारिता राज्यमंत्री गौतम दक, सांसद सीपी जोशी, विधायक श्रीचंद कृपलानी, अर्जुनलाल जीनगर, सुरेश धाकड़, चंद्रभान सिंह आक्या, जिला कलक्टर आलोक रंजन, एस पी सुधीर जोशी सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

देश का युवा अलगाववादी ताकतों को जवाब देने में सक्षम : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने युवाओं को राष्ट्रवादी सोच के साथ देश को आगे ले जाने में सक्षम बताते हुए कहा है कि भारत के युवा कभी भी अलगाववादी ताकतों के मंसूबे पूरे नहीं होने देंगे। देवनानी ने रविवार सायं यहां में राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा नागरिक अभिनन्दन समारोह में शिरकत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर और भारत की तरफ बाहरी तत्वों की गिद्ध दृष्टि है। भारत का युवा इन्हें मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। आज का विद्यार्थी देश का सुयोग्य नागरिक है और राष्ट्रवादी सोच के साथ वह देश को आगे ले जाने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति एकता, समन्वय, सामंजस्य, स्नेह, और सहिष्णुता की संस्कृति है। यही भारत की आत्मा है। हमने विश्व की विभिन्न संस्कृतियों को अपने में आत्मसात करते हुए, उन्हें आदर और सम्मान देने के बावजूद अपने अस्तित्व और आदर्शों को जिंदा रखा है। इसलिए आदिकाल से अब तक हमारा अस्तित्व, आदर और सम्मान बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि आज चीन सहित कई विदेशी ताकतों की गिद्ध दृष्टि भारत की तरफ है। वे पूर्वोत्तर सहित भारत की तरफ देख रहे है लेकिन हमारा युवा उनके मंसूबे कभी सफल नहीं होने देगा। भारत का युवा आज राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत है। वह दुनिया की किसी भी शक्ति को मुंहतोड जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है। भारत का युवा राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने को जो संकल्प लिया है इसमें युवाओं की बड़ी भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि ज्ञान, शील, एकता के अनुपालक-अनुगामी स्टूडेंटस एक्सपीरियंस इन इंटर स्टेट लिविंग द्वारा अंतर राज्यीय छात्र जीवन दर्शन राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण भारत के शिक्षा मंदिरों, शिक्षा परिसरों में शैक्षिक परिवार की संकल्पना के साथ राष्ट्र पुनः निर्माण के उद्देश्य से छात्र संगठन कार्यरत है।

छात्र संगठन स्वाधीनता के समय से राष्ट्र सम्मान और राष्ट्रीय संस्कारों- संस्कृति की दृढ़ता और पूर्णता के साथ-साथ छात्र शक्ति के निर्माण के लिए कार्यरत है। स्टूडेंटस एक्सपीरियंस इन इंटर स्टेट लिविंग भारत के समस्त छात्रों के मध्य एकता, जुड़ाव एवं भावनात्मक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। युवाओं के मध्य भावनात्मक और मजबूत स्नेह संबंधों को अधिक प्रगाढ़ करने के लिए संगठन ने प्रत्येक छात्र को एक स्थानीय मेजबान परिवार में समायोजित करने का कार्य किया है जहां रुकने वाला मेहमान नहीं बल्कि परिवार के सदस्य के रूप में माना जाता है।

सामाजिक उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं से पात्र लाभार्थी वंचित ना रहे : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित ना रहे और अपात्र का चयन ना हो। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को तय समय सीमा में योजनाओं का लाभ मिले और संबंधित प्रकरणों से जुड़ी समस्याओं का तुरंत निस्तारण हो यही अधिकारियों का लक्ष्य होना चाहिए।

गहलोत ने सोमवार को प्रदेश के सभी प्रशाखा प्रभारी अधिकारी एवं जिलाधिकारियों के साथ राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि अधिकारी पेंशन और छात्रवृति से जुड़े सभी प्रकरणों को प्राथमिकता से लें। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर में कैंप लगाकर पेंशन का वार्षिक भौतिक सत्यापन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक 95

फीसद से अधिक वार्षिक सत्यापन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित और पुरस्कृत भी किया जाएगा। गहलोत ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में विभाग को जितना बजट आवंटित हुआ था, इसमें से 85 प्रतिशत की राशि विभिन्न योजनाओं पर खर्च की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि शेष बची राशि को भी आगामी 2 महीनों में खर्च कर ली जाएगी।

सामाजिक न्याय मंत्री ने कहा कि 'नशा मुक्त' समाज का निर्माण ही केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी इस अभियान को 'जन जागरण अभियान' के रूप में चलाकर पुनीत काम कर सकते हैं। उन्होंने 'मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग' योजना का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार, छात्रावासों का नियमित निरीक्षण, लंबित भुगतान में गति लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को 15 दिन में एक बार वृद्धाश्रम और डे केयर सेंटर का निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए।

गहलोत ने बैठक के दौरान मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना, छात्रावास योजना, स्वावलंबन पोर्टल, उत्तर मैट्रिक छात्रवृति, डॉ सविता अंबेडकर अंतरजातीय विवाह, मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना, गाड़िया लोहारों को कच्चा माल क्रय हेतु सहायता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, सामाजिक सुरक्षा निवेश प्रोत्साहन योजना, नवजीवन योजना, आंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, आवासीय विद्यालय योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन योजना, वृद्ध कल्याण, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह, नशामुक्त भारत सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा कर इनमें गति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से समाज के पिछड़े वर्ग को समाज की मुख्य धारा में लाया जा रहा है। ऐसे में सभी अधिकारी अपने अपने स्तर पर जिम्मेदारी से काम करते हुए कार्य संपादित करें। अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका ने कहा कि विभाग का 80 का फीसदी बजट सामाजिक उत्थान के लिए पेंशन प्रकरणों में जाता है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से ग्राम सभाओं में जाकर पेंशन से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण करवाने का मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश दिए।

महाकुंभ नगर की ओर जाने वाली सारी सड़कें जाम, काशी और अयोध्या में भी मुश्किल हालात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/वाराणसी/अयोध्या/भाषा। महाकुंभ में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने और भारी भीड़ से निपटने के लिये रेलवे और स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं के वास्ते कई नई व्यवस्थाएं की हैं। कई क्षेत्रों में व्यापक जाम और अन्य परेशानियों के बावजूद महाकुंभ नगर तथा वाराणसी में लोगों के पहुंचने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

महाकुंभ में स्नान के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु वाराणसी और अयोध्या में दर्शन करने के लिये कूच कर रहे हैं। इससे इन दोनों नगरों की भी यातायात व्यवस्था चरमरा गयी है। प्रयागराज के सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) शैलेंद्र सिंह ने बताया कि महाकुंभ मेले से निकलने वाली ज्यादातर भीड़ काशी और अयोध्या वाले मार्ग की ओर जा रही है। सरकार के मुताबिक, महाकुंभ में प्रतिदिन औसतन 1.44 करोड़ लोग स्नान कर रहे हैं।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रयागराज स्टेशन के बाहर मौजूद भारी भीड़ की वजह से स्टेशन से बाहर निकलने वाले श्रद्धालुओं को हो रही असुविधा के चलते उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल का प्रयागराज संगम स्टेशन 9 फरवरी को अपराह्न 1:30 बजे से 14 फरवरी के रात्रि 12:00 बजे तक यात्री आवागमन के लिए अस्थायी तौर पर बंद किया गया है। महाकुंभ क्षेत्र में आने वाले अन्य आठ स्टेशनों से हालांकि नियमित और स्पेशल ट्रेनों का परिचालन सामान्य रूप से हो रहा है। प्रयागराज के अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) कुलदीप सिंह ने बताया कि पिछले (2019) कुंभ में इतनी भीड़ नहीं आई थी खासकर सामान्य दिनों में, लेकिन इस बार सामान्य दिनों में इतनी अधिक भीड़ आ रही है जिससे यातायात जाम की स्थिति बनी है। संगम में डुबकी लगाने बेटे के साथ रांची से सोमवार को प्रयागराज पहुंचीं डाक्टर सुषमा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, संगम में स्नान करने और मेला घूमने के बाद हम काशी जाकर भगवान भोले बाबा के दर्शन करेंगे और इसके बाद हमारी योजना अयोध्या जाने की है। इस बीच, अयोध्या से प्राप्त खबरों के मुताबिक प्रयागराज महाकुंभ से स्नान करने के बाद लाखों श्रद्धालुओं को रेला अयोध्या की तरफ बढ़ रहा है। जबर्दस्त भीड़ की वजह से अयोध्या की ओर जाने वाली सभी सड़कें कई किलोमीटर तक जाम हैं। अयोध्या को जोड़ने वाले छह राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न बैरिकेडिंग पर तैनात अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि लखनऊ, सुलतानपुर, रायबरेली, गोरखपुर, अंबेडकरनगर और आजमगढ़ से अयोध्या की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा जाम लगा हुआ है। यहां तक कि दो पहिया वाहन भी रेंगते दिख रहे हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करना एक भावुक और दिव्य अनुभव : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम में सोमवार को डुबकी लगाने के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे एक भावुक और दिव्य अनुभव बताते हुए कहा कि यह उनके हृदयपटल पर सदैव अंकित रहेगा। धामी ने अपनी मां, पत्नी और पुत्र सहित पूरे परिवार के साथ संगम में स्नान किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपना अनुभव साझा करते हुए लिखा, ''पतितपावनी मां गंगा, मां यमुना एवं मां सरस्वती के परमपवित्र दिव्य त्रिवेणी संगम में महाकुंभ-2025 के अलौकिक एवं पुण्यदायी कालखंड में सपरिवार स्नान का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ।''

धामी ने इसे 'अविस्मरणीय क्षण' बताते हुए कहा कि इस पवित्र जलराशि से अभिसिक्त होकर आध्यात्मिक शुद्धि एवं दिव्यता का अद्वितीय अनुभव प्राप्त हुआ। धामी ने बताया कि उन्होंने तीर्थराज प्रयाग की पुनीत धरा पर ईश्वर से समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं राज्य की उन्नति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''महाकुंभ शताब्दियों से अपनी अक्षुण्णता बनाए रखते हुए सनातन धर्म की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता के माध्यम से कोटि जनों को धर्म व संस्कृति से जोड़ता आ रहा है। यह केवल आध्यात्मिक चेतना ही नहीं अपितु राष्ट्रीय एकता, अखंडता और विश्व बंधुत्व का प्रतीक है जो मानवता को नैतिक मूल्यों एवं विश्व मंगल की ओर प्रेरित करता है।''

उन्होंने एक अलग पोस्ट में अपनी माताजी को संगम में स्नान कराने के अनुभव के बारे में लिखते हुए कहा कि इसे शब्दों में पिरोना संभव नहीं है। पुष्कर सिंह धामी ने कहा, ''आज प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम के पुण्य सलिल में माताजी को स्नान कराने का सौभाग्य मिला। यह मेरे जीवन के उन अमूल्य और भावुक क्षणों में से एक है, जिन्हें शब्दों में पिरोना संभव नहीं है।'' धामी ने कहा कि यह क्षण उनके हृदयपटल पर सदैव अंकित रहेगा।

संप्रग के समय 'स्कैम भारत' था, आज मोदी के नेतृत्व में 'सक्षम भारत' है : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कांग्रेस पर उसके शासनकाल में देश के बजाय एक परिवार को तवज्जो देने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के समय देश 'स्कैम भारत' था, जो आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में 'सक्षम भारत' बन गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों में देश में 'कर आतंकवाद' था, लेकिन आज मोदी सरकार ने पहली बार 12 लाख रुपए तक की आय को करमुक्त करके मध्यम वर्ग के करोड़ों लोगों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि लेकिन विपक्ष को न मध्यम वर्ग से मतलब है, न गरीब से और इसलिए इन घोषणाओं पर वह खुश नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बजट को 'बैंडेज बजट' की संज्ञा दी थी। ठाकुर ने कहा कि यह तो 'बूस्टर शॉट बजट' है। उन्होंने कहा, ''आप (कांग्रेस) घाव पर घाव देते रहे, हमने मरहम लगाया है।''

ठाकुर ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय देश में सामने आए 2जी, कोयला और सीडब्ल्यूजी घोटाले आदि का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में 'स्कैम भारत' था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इसे 'सक्षम भारत' की ओर लेकर आए हैं। उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणामों का उल्लेख करते हुए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा समेत लगातार छठे चुनाव में राजधानी में कांग्रेस शून्य पर सिमट गई है।

'कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि वह गठबंधन की राजनीति करेगी या अकेला चलेगी'

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार कांग्रेस की अपमानजनक हार के बाद सोमवार को वरिष्ठ पार्टी नेता तारिक अनवर ने कहा कि इस सबसे पुराने दल को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि वह गठबंधन की राजनीति करना चाहती है या अकेले चलना चाहती है। उन्होंने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में भी मूलभूत परिवर्तन की मांग की। हालांकि उन्होंने इस बारे में अधिक कुछ नहीं कहा।

बिहार के कटिहार से पार्टी के सांसद अनवर ने 'एक्स' पर लिखा, ''कांग्रेस को अपनी राजनीतिक रणनीति को स्पष्ट करने की जरूरत है। उसे तय करना होगा कि वह गठबंधन की राजनीति करेगी या अकेला चलेगी।'' पूर्व कांग्रेस महासचिव अनवर ने कहा, ''साथ ही, पार्टी के संगठन में आमूलचूल परिवर्तन करना भी जरूरी हो गया है।'' दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम की शनिवार को घोषणा हुई। इस बार भी कांग्रेस विधानसभा चुनाव में एक भी सीट जीत नहीं पायी। विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन लगातार तीसरी बार खराब रहा। कांग्रेस के लिए एकमात्र सांत्वना यह है कि दिल्ली में उसके मत प्रतिशत में मात्र दो फीसद का मामूली सुधार हुआ है।

वैष्णव ने प्रयागराज स्टेशन बंद होने की खबरों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रयागराज स्टेशन बंद होने की खबरों को महज अफवाह करार देते हुए सोमवार को कहा कि क्षेत्र के सभी आठ स्टेशनों से रेलगाड़ियों का परिचालन सुचारू और सुव्यवस्थित तरीके से हो रहा है।

वैष्णव ने यहां रेल भवन में मीडिया से कहा कि श्रद्धालुओं को स्टेशन बंद होने की अफवाहों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''प्रयागराज के सभी आठ स्टेशनों पर रेलगाड़ियों का परिचालन सुचारू और बहुत सुव्यवस्थित है।

रेलवे राज्य प्रशासन के साथ बहुत ही समन्वित तरीके से काम कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''कल प्रयागराज महाकुंभ क्षेत्र स्टेशन से देश के विभिन्न स्थानों के लिए 330 रेलगाड़ियां रवाना हुईं। इन रेलगाड़ियों में कुल 12.5 लाख श्रद्धालुओं ने यात्रा की।''

वैष्णव महाकुंभ मेला शुरू होने से पहले रेल भवन में स्थापित 'वॉर रूम' भी गये ताकि स्टेशनों की निगरानी और रेल सेवाओं तथा यात्री सुविधाओं की समीक्षा की जा सके।

स्टेशन बंद होने की अफवाहों के कारणों के बारे में बात करते हुए उत्तर मध्य रेलवे (जिसके अंतर्गत प्रयागराज मंडल आता है) के अधिकारियों ने कहा कि समान नाम वाले दो स्टेशन हैं - प्रयागराज जंक्शन और प्रयागराज संगम।

महाकुंभ में कहीं पैदा हुई गंगा, जमुना तो कहीं जन्में भोलेनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ क्षेत्र में बने सेंट्रल हॉस्पिटल में अभी तक कुल 12 बच्चों का जन्म हुआ है और इनके माता पिता में से किसी ने अपने बच्चे का नाम गंगा, किसी ने जमुना, किसी ने भोले नाथ तो किसी ने बजरंगी रखा है। सेक्टर दो स्थित सेंट्रल हॉस्पिटल की मैटर्न रमा सिंह ने बताया कि कल रात में ही फूलपुर तहसील के सराय चंडी से आई नेहा सिंह ने एक बेटे को जन्म दिया और बेटे के पिता दीपक अपने बेटे का नाम कुंभ रखने पर अड़े हैं। हमने कहा कि कुंभ नाम 29 दिसंबर को जन्मे एक बच्चे का पहले ही रखा जा चुका है। हमने इस बच्चे को कुंभ-2 नाम दिया है।

बेटे के पिता दीपक ने बताया, मैं हरियाणा में नौकरी करता हूं और सेक्टर 18 में मेरी मां कल्पवास कर रही हैं। उनकी सेवा के लिए मैं छुट्टी लेकर अपनी पत्नी नेहा के साथ यहां आया था। कल रात प्रसव पीड़ा उठने पर मैंने एंबुलेंस को फोन लगाया और पत्नी को सेंट्रल हॉस्पिटल लाया जहां रात करीब दो बजे उसने एक लड़के को जन्म दिया। दीपक ने कहा, भले ही अस्पताल वाले मेरे बेटे का नाम कुंभ नहीं रख रहे हैं, मैं उसका नाम कुंभ ही रखूंगा क्योंकि वह इस महाकुंभ में पैदा हुआ है। रमा सिंह ने बताया कि बसंत पंचमी को रात में एक महिला ने बेटे को जन्म दिया जिसका नाम बसंत रखा गया। वहीं, इसी स्नान पर्व पर एक महिला ने बेटी को जन्म दिया जिसका नाम बसंती रखा गया। सेंट्रल हॉस्पिटल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर मनोज कौशिक ने बताया कि सेंट्रल हॉस्पिटल में अभी तक कुल 12 बच्चों का जन्म हो चुका है। सभी प्रसव सामान्य तरीके से कराए गए। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों जैसे जहांगीराबाद (बाराबंकी), चित्रकूट, कौशांबी और कई प्रदेशों जैसे झारखंड, मध्य प्रदेश आदि की महिलाओं का प्रसव कराया गया।

रमा सिंह बताया कि प्रसव उपरांत ज्यादातर लोग जल्दी छुट्टी मांगते हैं, लेकिन हमें 24 घंटे तक प्रसूती को निगरानी में रखना पड़ता है जिसके बाद ही हम छुट्टी देते हैं। उन्होंने बताया कि बहुत सी महिलाएं प्रसव की तिथि नजदीक होने के बावजूद मेले में इस आस्था के साथ आती हैं कि कुंभ मेले में जन्मा बच्चा भाग्यशाली होगा।

यात्रा ट्रंप के पहले कार्यकाल में द्विपक्षीय संबंधों की सफलताओं को आगे बढ़ाएगी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका की उनकी यात्रा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में दोनों देशों के बीच सहयोग में मिली सफलताओं को आगे बढ़ाने का एक अवसर होगी। फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर रवाना होने से पहले उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि इससे प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और आपूर्ति शृंखला में लचीलेपन के क्षेत्रों सहित अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी को और अधिक बढ़ाने तथा गहरा करने के लिए एजेंडा विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

बाद में प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, ''यह यात्रा भारत-अमेरिका मित्रता को और मजबूत करेगी तथा विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देगी। मुझे राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके पहले कार्यकाल के दौरान काम करने की यादें ताजा हैं तथा मुझे विश्वास है कि हमारी वार्ता उस समय की गई चर्चाओं पर आधारित होगी।'' उन्होंने कहा कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात होगी। मोदी ने कहा, ''हम दोनों देशों के लोगों के आपसी लाभ के लिए मिलकर काम करेंगे और दुनिया के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करेंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हूं।'' मोदी 10 फरवरी से 12 फरवरी तक फ्रांस का दौरा करेंगे और फिर वहां से दो दिवसीय यात्रा पर अमेरिका जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर फ्रांस जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह विश्व नेताओं और वैश्विक प्रौद्योगिकी सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) के एक सम्मेलन 'एआई एक्शन समिट' की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हैं, जहां वे समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार एवं व्यापक सार्वजनिक कल्याण के लिए एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) प्रौद्योगिकी को लेकर सहयोगी दृष्टिकोण पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

मोदी ने कहा, ''दो देशों की मेरी यह यात्रा मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए '2047 होराइजन रोडमैप' पर प्रगति की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी।'' दोनों नेता फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने के लिए फ्रांस के ऐतिहासिक शहर मार्सिले की यात्रा करेंगे।

बजट 2047 तक भारत को विकसित बनाने के मोदी सरकार के संकल्प का 'रोडमैप' : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आम बजट को असाधारण रूप से सफल करार देते हुए कहा कि यह 2047 तक भारत को विकसित बनाने के नरेन्द्र मोदी सरकार के संकल्प का 'रोडमैप' है। उच्च सदन में आम बजट पर हुई चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सदस्य दिनेश शर्मा ने बजट को असाधारण रूप से सफल बताया और कहा कि जल्द ही भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बजट शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने वाला है, जिसमें महंगाई पर काबू पाने के भी प्रयास किए हैं।

शर्मा ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि उसने कभी भी मध्यम वर्ग का खयाल नहीं किया और मौजूदा सरकार ने इस वर्ग को ध्यान में रखते हुए 12 लाख रुपए तक की सालाना आय को आयकर से मुक्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने 'रेपो दर' में भी कमी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 'रेपो दर' में कमी के क्रमिक प्रभाव होंगे और एक ओर ऋण सस्ता होगा, वहीं बचत और निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। शर्मा ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन किए गए हैं और सरकार ने वित्तीय घाटा पर काबू पाने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं।

विपक्षी गठबंधन को एकजुट होकर काम करने की जरूरत है : प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनौती देने के लिए आगे की रणनीति तय करने को लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सभी दलों को एक साथ आना चाहिए क्योंकि एक-दूसरे से लड़ने से कोई फायदा नहीं होने वाला।

दिल्ली विस चुनाव में आप की हार के बाद विपक्षी गठबंधन के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच चतुर्वेदी ने कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस' (इंडिया) को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि 'इंडिया' को एकजुट होकर काम करना चाहिए, एकजुट होकर सोचना चाहिए और यह महसूस करना चाहिए कि हमारी निजी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं देश के हितों पर हावी हो रही हैं।'' चतुर्वेदी ने कहा, ''हमें अपने लोकतंत्र, संविधान को बचाने की जरूरत है। यही कारण है कि 'इंडिया' गठबंधन एक साथ आया। अगर हम उस पूरी अवधारणा के खिलाफ जा रहे हैं, यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर कोई हार जाए, और एक-दूसरे को हराने में व्यस्त हैं, तो यह उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिसके लिए हम एक साथ आए हैं। हमें ईमानदार रहना चाहिए, संवाद करना चाहिए, मिलकर काम करना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि हम भाजपा के खिलाफ जोरदार लड़ाई लड़ें।''

विधानमंडलों में नियोजित व्यवधान संविधान की लोकतांत्रिक भावना के विपरीत : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद और विधानमंडलों की कार्यवाही में सदस्यों की कम हो रही भागीदारी तथा राजनीतिक गतिरोध पर सोमवार को चिंता जताई और कहा कि विधानमंडलों में नियोजित व्यवधान संविधान की लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा और विधान परिषद के नव निर्वाचित सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम मे विधायकों को संबोधित किया।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने विधायकों से आग्रह किया कि वे सत्र के दौरान सदन में अधिक समय बितायें और विभिन्न पक्षों की राय सुनें, जिससे लोगों के मुद्दों को समझने और उनसे निपटने में उनका नजरिया व्यापक होगा।

उनका कहना था कि विधानमंडलों में योजनाबद्ध व्यवधान संविधान की लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, ''जो विधायक सदन में जितनी अधिक तैयारी के साथ आएंगे, उनकी भागीदारी उतनी ही अधिक प्रभावी होगी तथा सदन की कार्यवाही उतनी ही अधिक उत्पादक होगी। सर्वश्रेष्ठ विधायक वही होता है जो सदन की कार्यवाही में पूर्ण सहभागिता करता है और समय-समय पर संसदीय कार्यों को समझकर, अच्छे शोध के साथ तर्कपूर्ण चर्चा करता है।''

बिरला के अनुसार, यह चिंता का विषय है कि विधानमंडलों की बैठकों की संख्या घटती जा रही है परंतु देश की सभी विधानसभाओं में महाराष्ट्र विधानसभा की कार्योत्पादकता प्रशंसनीय है।

बिहार चुनाव के बाद 'इंडिया' गठबंधन डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगा : शाम्भवी

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शाम्भवी ने सोमवार को दावा किया कि इस साल के आखिर में होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के 'ताबूत में आखिरी कील' साबित होगा तथा यह गठबंधन डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगा। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि बिहार से ताल्लुक रखने वाले आर्य भट्ट ने 'शून्य' की खोज की थी और अब वही शून्य दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिला है।

शाम्भवी ने कहा कि बिहार का विधानसभा चुनाव 'इंडिया' गठबंधन के 'ताबूत में आखिरी कील' साबित होगा। उन्होंने कहा, ''बिहार चुनाव के बाद 'इंडिया' गठबंधन उसी तरह लुप्त हो जाएगा जैसे कभी डायनासोर हुए थे।''

चर्चा में भाग लेते हुए आम आदमी पार्टी के सांसद गुरमीत सिंह मीत हायर ने कहा कि बजट में पंजाब की अनदेखी की गई है।

ओडिशा सरकार ने राज्य क्रिकेट संघ को कारण बताओ नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारत और इंग्लैंड के बीच कटक के बाराबती स्टेडियम में खेले गए दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के दौरान फ्लडलाइट की खराबी के कारण व्यवधान उत्पन्न होने से शर्मिंदा राज्य सरकार ने सोमवार को ओडिशा क्रिकेट संघ (ओसीए) को कारण बताओ नोटिस जारी करके 10 दिन के अंदर जवाब देने के लिए कहा। रविवार को खेले गए इस मैच में एक टावर की बिजली गुल हो गई थी जिसके कारण लगभग 30 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था।

ओडिशा के खेल निदेशक सिद्धार्थ दास ने ओसीए सचिव संजय बेहरा को लिखे पत्र में कहा, ''ओसीए को व्यवधान के कारण बताने के लिए विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने और उन व्यक्तियों और एजेंसियों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है जो इस तरह की खामियों के लिए जिम्मेदार थे।'' पत्र में 10 दिन के अंदर जवाब देने का निर्देश दिया गया है।

लोकेश राहुल के बल्लेबाजी क्रम में अक्षर के बाद आने पर उठे सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इंग्लैंड के बीच कटक में दूसरे एकदिवसीय मुकाबले के अंत में प्रसारणकर्ता के कैमरे ने कुछ समय के लिए डग-आउट में बैठे ऋषभ पंत को दिखाया जबकि इस दौरान मैदान पर लोकेश राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे। राहुल को इस मैच में पंत पर तरजीह मिली थी इसलिए उनका बल्लेबाजी क्रम में इतना नीचे आना हैरानी भरा था।

कमेंट्री पर रहे रवि शास्त्री गेंदबाजी ऑलराउंडर अक्षर पटेल की जगह राहुल जैसे शीर्ष क्रम के विशेषज्ञ बल्लेबाज को छठे नंबर पर उतारने को लेकर अपनी भावनाओं को जाहिर करने से खुद को नहीं रोक पाए। शुरुआती दो मैच में अक्षर को पांचवें नंबर पर उतारा गया। भारतीय क्रिकेट में कई लोगों ने शास्त्री की भावनाओं को साझा किया और यह भी आश्चर्य व्यक्त किया कि अगर प्रबंधन राहुल से ऊपर अक्षर को भेजने के लिए बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजी संयोजन के फॉर्मूले पर अड़ा रहता है तो पंत जैसे विस्फोटक खिलाड़ी का क्या होगा। अगर नतीजों पर गौर करें तो मुख्य कोच गौतम गंभीर सही साबित होते हैं क्योंकि अक्षर ने शुरुआती दो मैच में 52 और नाबाद 41 रन बनाए लेकिन वह ऐसे समय पर बल्लेबाजी करने उतरे जब भारत जीत की ओर बढ़ रहा था। शास्त्री ने प्रसारणकर्ता 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, ''भारत अगले मैच और चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के संयोजन के बारे में सोच रहा होगा। ऋषभ पंत बेंच पर बैठे हैं। कुछ सवालों के जवाब देने होंगे।'' पंत ने 31 एकदिवसीय मुकाबलों में 33 से कुछ अधिक की औसत से 871 रन बनाए हैं जो काफी अच्छे आंकड़े नहीं हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों मे क्रिकेट के मापदंड बदल गए हैं। किसी खिलाड़ी का खेल के किसी चरण में किस तरह का प्रभाव पड़ सकता है, यह भी देखना होगा। अगर राहुल को ऐसे खिलाड़ी के तौर पर देखा जा रहा है जो एकदिवसीय में 30वें या 35वें ओवर के बाद बल्लेबाजी के लिए आएगा तो इस बात की पूरी संभावना है कि पंत उनसे ज्यादा प्रभाव डाल सकते हैं।

सुविचार

जो ज्ञानी होता है उसे समझाया जा सकता है, जो अज्ञानी होता है उसे भी समझाया जा सकता है, लेकिन जो अभिमानी होता है उसे कोई नही समझा सकता, उसे केवल वक्त ही समझा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

परीक्षा को बनाएं उत्सव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में 'पढ़ाई' और 'प्रदर्शन' के बारे में जिन बिंदुओं का उल्लेख किया, उन्हें सुनकर बहुत लोगों को महसूस हुआ होगा कि अगर उन्हें पढ़ाई के दिनों में ये बातें किसी ने बताई होतीं तो जीवन की दिशा कुछ और ही होती। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि विद्यार्थी खुद को चुनौती दें, लेकिन परीक्षा का दबाव न लें। अक्सर ऐसा होता है कि कोई विद्यार्थी सालभर बहुत मेहनत करता है और जैसे-जैसे परीक्षा की तारीख नजदीक आती है, वह दबाव महसूस करने लगता है। उसे लगता है कि 'अन्य सहपाठियों की तैयारी तो बहुत अच्छी है, जबकि मैं पीछे रह गया हूं।' कई बच्चे आत्मविश्वास के मामले में अस्थिरता के शिकार हो जाते हैं। वे पहले किसी प्रश्न का सही उत्तर लिख देते हैं। फिर उन्हें महसूस होता है कि शायद इस उत्तर में कोई गड़बड़ हो गई। इसके बाद वे दोबारा उत्तर लिखते हैं और गलती कर देते हैं। जब परीक्षा के नतीजे घोषित होते हैं तो कई विद्यार्थी तनावग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि किसी विषय में कम नंबर आ गए तो उनका भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अच्छे नंबर आए हों तो कुछ चीजें आसान हो जाती हैं, लेकिन ये न तो उज्ज्वल भविष्य की गारंटी हैं और न ही कम नंबर आने का यह मतलब है कि अब आप जीवन में आगे नहीं बढ़ सकते। ऐसे बहुत लोग हैं, जो पढ़ाई-लिखाई में औसत थे, लेकिन जीवन में बहुत सफल रहे। हमारे देश में कितने ही उद्योगपति, वैज्ञानिक, राजनेता, अधिकारी ऐसे मिल जाएंगे, जिन्होंने अपनी मेहनत, सूझबूझ और कौशल के साथ वह मुकाम हासिल किया, जिसकी अपने विद्यार्थी जीवन में कल्पना नहीं की थी।

प्रधानमंत्री ने शिक्षकों से यह कहकर कई विद्यार्थियों के मन की बात साझा की है कि एक बच्चे की दूसरे से तुलना न करें। हर विद्यार्थी में अलग खूबियां होती हैं। उसकी किसी दूसरे विद्यार्थी से तुलना करना उचित नहीं है, खासकर सबके सामने! इससे उसे बुरा लगता है और हीनभावना पैदा होती है। कई शिक्षक, जिनकी मंशा विद्यार्थी के प्रदर्शन में सुधार लाने की होती है, पूरी कक्षा के सामने यह कहकर बच्चे का मनोबल तोड़ देते हैं- 'तुम्हें तो कुछ आता ही नहीं, उस बच्चे को देखो, वैसा बनने की कोशिश करो ... क्यों माता-पिता के पैसे बर्बाद कर रहे हो, तुम उतने नंबर लेकर नहीं आ सकते ... तुम्हारा तो बेड़ा ही पार है, इस बच्चे से कुछ सीखो, अन्यथा अगले साल यहीं बैठे नजर आओगे ... तुम्हें कितना ही पढ़ा दूं, नतीजा तो वही आएगा, जो हर साल आता है ...!' अगर शिक्षक द्वारा काफी कोशिशों के बावजूद विद्यार्थी के प्रदर्शन में खास सुधार होता नहीं दिख रहा है तो उसकी वजहों का पता लगाना चाहिए। उसे मार्गदर्शन के लिए स्नेह के साथ समझाना चाहिए। पूरी कक्षा या अन्य विद्यार्थियों के सामने डांट-फटकार लगाने से सुधार की संभावना कम ही होगी। हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत चर्चित हुआ था, जिसमें दो स्कूलों में पढ़ाई के तौर-तरीके दिखाए गए थे। पहले, यूरोप के किसी स्कूल में एक शिक्षिका छोटी कक्षाओं के बच्चों को खेल-खेल में पढ़ना सिखाती हैं। कक्षा के सभी विद्यार्थियों के साथ उनका व्यवहार उस बड़ी बहन जैसा था, जो उन्हें पढ़ाई में व्यस्त तो रखती हैं, लेकिन उनके मिज़ाज में कोई सख्ती नहीं होती। इसके बाद, दूसरे दृश्य में दक्षिण एशिया का एक स्कूल दिखाया जाता है। उसमें एक शिक्षक अपने हाथ में मोटा-सा डंडा लेकर विद्यार्थियों की खूब पिटाई करते हैं। इससे सभी बच्चे बहुत डरे हुए रहते हैं। क्या ऐसा माहौल पढ़ाई के लिए उचित है? हर साल कई बच्चे शिक्षकों से पिटने के बाद गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। कुछ तो दम तोड़ देते हैं। पिटाई करते हुए पढ़ाना बहुत गलत तरीका है। इससे हमेशा बचना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

फेल होने से जिंदगी अटक नहीं जाती है। आपको तय करना होगा कि जीवन में सफल होना है कि किताबों से सफल होना है। जीवन में सफल होने का एक उपाय ये होता है कि अपने जीवन की विफलताओं को अपना टीचर बना लें। जीवन समग्रता में देखना चाहिए।

-नरेन्द्र मोदी

सदन में नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा करना संसदीय लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। हमारी कोशिश हो कि विधान मंडलों की नियम प्रक्रियाओं का उचित अध्ययन कर, तथा पुराने अनुभवों से सीखकर सर्वश्रेष्ठ विधायी सदस्य बनें।

-ओम बिरला

सभी प्रदेशवासियों को निर्माण व सृजन के देव भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ। इस पावन अवसर पर देशनिर्माण में योगदान दे रहे सभी वास्तुकला कौशल में सर्वश्रेष्ठ एवं सृष्टि के रचयिता श्रमिकों व कामगारों को नमन करती हूँ।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

जीवन की दिशा

दादू दयाल तब अभी संत नहीं बने थे। एक दिन वे दुकान पर बैठे हिसाब-किताब लिखने में मग्न थे। उनके गुरु आकर द्वार पर खड़े हो गए, लेकिन दादू को इसकी खबर तक न हुई। बाहर मूसलाधार बारिश हो रही थी। अचानक दादू की नजर बाहर गई और द्वार पर गुरु को खड़ा देख वे तुरंत दौड़कर उनके चरणों में गिर पड़े। आंखों में आंसू भरकर बोले, 'माफ़ कर दीजिए गुरुदेव! दुनियादारी के कामों में मैं इतना डूब गया था कि आप आकर दहलीज पर खड़े रहे, तो भी मेरा ध्यान उस ओर नहीं गया।' गुरु ने वात्सल्यपूर्ण स्वर में कहा, 'मैं तो थोड़ी देर से खड़ा हूं, परंतु बेटा, प्रभु तो अनंत काल से तुम्हारे द्वार पर खड़ा तुम्हारे बुलावे का इंतजार कर रहा है।' दादू के जीवन की दिशा उसी दिन से बदल गई।'

सामयिक

दिल्ली भाजपा की जीत में मुस्लिम मतों का मिथक

अवधेश कुमार

मोबाइल : 981027208

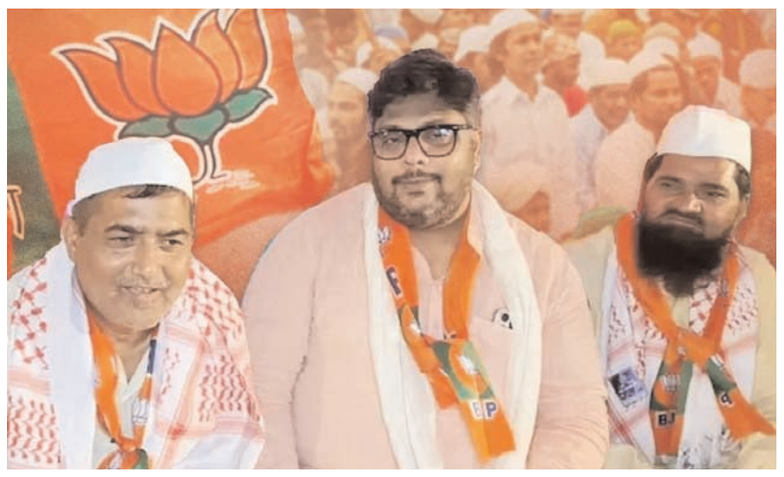

भाजपा जब भी कोई चुनाव जीती है मुस्लिम मतों को लेकर विश्लेषण सामने आते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के साथ टीवी चैनलों से लेकर समाचार पत्रों, वेबसाइटों, यूट्यूब चैनलों पर ऐसी ध्वनियां निकल रही है कि मुसलमानों के एक बड़े वर्ग ने उसके पक्ष में मतदान किया। क्या वाकई ऐसा हुआ है? इमामों का एक संगठन चलाने वाले मौलाना ने मतदान के बाद वीडियो जारी करते हुए कहा कि मैंने भाजपा को मत दिया है। वे टीवी चैनलों पर दिखते हैं इसलिए उनका चेहरा मोटा-मोटी पहचाना है और भाजपा एवं संघ के विरुद्ध उनकी कट्टरता भी सब सामने है। उन्होंने कहा कि मैंने वोट इसलिए दिया क्योंकि कहा जाता है कि मुसलमान एकजुट होकर भाजपा के विरुद्ध मतदान करते हैं। इस धारणा को तोड़ने के लिए मैंने वोट दिया। उन्होंने दूसरा कारण आप के द्वारा मुसलमानों के विरुद्ध आचरण को बताया। दरअसल, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल द्वारा घोषित इमामों का वेतन चुनाव तक 18 महीना से नहीं मिला था। इनका संगठन उसके लिए धरना प्रदर्शन कर रहा था जिसका संज्ञान तक केजरीवाल और उनके साथियों ने नहीं लिया। क्या उनके अलावा किसी अन्य बड़े मुस्लिम चेहरे ने सामने आकर परिणाम के पहले घोषित किया कि उन्होंने भाजपा को मत दिया है? भाजपा की जीत के बाद लोग टीवी कैमरों के सामने आए और कह दिया कि हम नरेंद्र मोदी जी और योगी जी अच्छा शासन चला रहे हैं, इसलिए समर्थन दिया है।

दरअसल, मुस्लिम प्रभाव वाले मुस्तफाबाद और जंगपुरा सीट पर भाजपा की विजय के बाद से यह ध्वनि ज्यादा गुंजित हुई है। ये दोनों क्षेत्र मुस्लिम प्रभाव वाले हैं। अभी तक धारणा थी कि बगैर उनके समर्थन के कोई उम्मीदवार चुनाव जीत नहीं सकता। दिल्ली में 11-12 ऐसे क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता निर्णायक माने जाते हैं। इसके अलावा भी 7-8 क्षेत्रों में मुसलमानों का प्रभाव है। इनमें चार सीटें भाजपा ने जीती हैं। किंतु इसके अलावा ये सारी सीटें एकपक्षीय आप को गई है। पहले मुस्तफाबाद को देखें। मुस्तफाबाद में भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट ने आप के आदिल अहमद खान को 17 हजार 578 वोटों से हराया। उन्हें 85 हजार 215 तथा आदिल अहमद को 67 हजार 637 मत मिले। यहां एआईएमआईएम के उम्मीदवार और 2020 दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को 33 हजार 474 वोट मिला और कांग्रेस के अली मेहंदी को केवल 11 हजार 763 वोट मिले। ताहिर हुसैन ने जब कहा कि आपकी लड़ाई हमने लड़ी और आपके कारण जेल में है तो मुसलमानों के एक बड़े वर्ग की सहानुभूति मिली। ताहिर हुसैन को इतना वोट नहीं मिलता तो बिष्ट नहीं जीत पाते। आप सोचिए, कांग्रेस के उम्मीदवार को इतना कम मत मिला।

जंगपुरा में तरविंदर सिंह मारवाह किसी तरह 675 मतों से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को हरा पाए। उन्हें 38 हजार 859, मनीष सिसोदिया को 38 हजार 184 और कांग्रेस के फरहाद सूरी को 7 हजार 350 वोट मिला। मुस्लिम मतदाताओं ने तरविंदर के पक्ष में मतदान किया होता तो जीत का अंतर ज्यादा होता। उनकी और पारिवार कि पृष्ठभूमि कांग्रेस की है। इस कारण मुस्लिम वोट उनको मिलता रहा है। इस बार आंकड़े ऐसा नहीं बताते। कांग्रेस के मुस्लिम मत काटने का उनको लाभ मिला।

ईमानदारी से विश्लेषण किया जाए तो साफ दिखाई देगा कि 2020 के दंगों में मुस्लिम नेताओं की भूमिका देखने के बाद गैर मुसलमानों के बीच थोड़ी एकजुटता हुई। दूसरे, पिछले लोकसभा चुनाव एवं महाराष्ट्र व हरियाणा विधानसभा चुनावों में राजनीतिक, मजहबी मुस्लिम नेताओं, शीर्ष मुस्लिम व्यक्तियों के द्वारा वोट को इस्लाम और दीन का विषय बनाने तथा भाजपा के विरुद्ध मतदान करने के फतवे आदि के कारण एकजुटता का सुदृढ़ीकरण हुआ है। अरविंद केजरीवाल इसे भांपते हुए ही हिंदुत्व पर मुखर हुए तथा पुजारियों और ग्रंथियों तक को 18। हजार वेतन देने की घोषणा की। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने वंदे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाया तथा भाजपा की ही तरह भारत को विश्व गुरु एवं महाशक्ति बनाने के लिए भाजपा को हराने का हवन कर दिया। इस कारण हिंदुत्व के मुद्दे पर वैसी क्षति नहीं हुई जैसी आईएनडीआईए अन्य दलों को हो रही है। दिल्ली में सबसे बड़ी दो जीत आप को मिली और वह मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्र में ही। आप प्रत्याशी आले मुहम्मद इक़बाल को मटियामहल से इस चुनाव में 42 हजार 724 वोट के अंतर से सबसे बड़ी जीत हासिल हुई। सीलमपुर से आप के चौधरी जुबेर अहमद 42 हजार 477 मतों से जीते जो दूसरी बड़ी जीत है। इससे पता चलता है कि मुस्लिम वोटो का रुख क्या रहा।

मटियामहल से आले मुहम्मद ने भाजपा की दीप्ति इंदौर को हराया। आले को 58 हजार 120 और दिप्ती को केवल 15 हजार 396 मत मिला। भाजपा प्रत्याशी आप प्रत्याशी से पहले राउंड में ही पीछे गए। यहां कांग्रेस के असीम अहमद को केवल 10 हजार 295 मत मिला। सीलमपुर में चौधरी जुबेर को 79 हजार 09 और भाजपा के अनिल शर्मा को 36 हजार 532 मत मिले और कांग्रेस के अब्दुल रहमान 16 हजार 551 तक सिमट गये।

चांदनी चौक के 10 विधानसभा सीटों में चार मुस्लिम बहुल हैं। चारों में एक भी भाजपा नहीं जीत सकी । बल्लीमारान में भाजपा के पार्षद कमल बागड़ी को केवल 27 हजार 181 और दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख मुस्लिम चेहरे और जाने-माने नेता हारून यूसुफ भी 13 हजार 569 मत पा सके जबकि आप के इमरान हुसैन को 57 हजार 04 मत मिला। सदर बाजार में आप के सोमदत्त को 56 हजार 177 वोट मिला और उन्होंने भाजपा के मनोज कुमार जिंदल को 6307 वोट से हराया। यह भी मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्र है लेकिन यहां हिंदुओं और गैर मुसलमानों की भी बड़ी आबादी है। इस कारण मनोज जिंदल ने 49 हजार 870 मत पाया और कांग्रेस के अनिल भारद्वाज को 10 हजार 057 ही मिला। चांदनी चौक से कांग्रेस के मुदित अग्रवाल को केवल ने 9 हजार65 वोट मिले जबकि आप के पुनरदीप सिंह को 38 हजार 993 और भाजपा के सतीश जैन को 22 हजार 421।

इन आंकड़ों से साफ हो जाता है कि ज्यादातर क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाताओं ने पूर्व की तरह भाजपा को हराने के लिए रणनीतिक मतदान किया। बहुचर्चित ओखला क्षेत्र आइए। ओखला में आप के अमानतुल्लाह खान को 88 हजार 943 जबकि एआईएमआईएम के सिफ़उर रहमान को केवल 3 हजार 958 मत मिला और भाजपा के मनीष चौधरी को 65 हजार 304 वोट मिले। बाबरपुर में गोपाल राय को 76 हजार 192 और भाजपा के अनिल वशिष्ठ को 57 हजार 198 मत मिला। यहां भी कांग्रेस के मोहम्मद इशराक को केवल 8 हजार 797 मत प्राप्त हुए।

गोकुलपुर से आप के सुरेंद्र कुमार ने 80 हजार 504 मत पाकर भाजपा के प्रवीण निमेष को 8 हजार 260 मतों से पराजित किया जिन्हें 72 हजार 297 मत मिला और कांग्रेस के ईश्वर सिंह केवल 5 हजार 905 तक सीमित रह गए। करावल नगर में कपिल मिश्रा को 1 लाख 7367 वोट मिला जबकि आप के मनोज त्यागी को 84 हजार 12 और कांग्रेस के पीके मिश्रा को 3921 वोट मिले। गांधीनगर में भी अरविंदर सिंह लवली केवल 12 हजार 748 मतों से जीते। क्यों? उन्हें 56 हजार 858 मत मिला जबकि आप के नवीन चौधरी को 44 हजार 110 एवं कांग्रेस के कमल अरोड़ा को 3 हजार 453। अरविंदर सिंह कांग्रेस से आए हैं और मुसलमानों के बीच भी उनका अच्छा प्रभाव माना जाता रहा है। वैसे गांधीनगर और करावल नगर सीट पिछली बार भी भाजपा के खाते में गया था और कारण यही था कि कांग्रेस ने ठीक-ठाक वोट काटा । सीमापुरी आरक्षित सीट है किंतु यहां भी मुस्लिम मत प्रभावी है। यहां आप के वीर सिंह धिंगाना ने 10 हजार 368 मतों से जीत हासिल की। उन्हें 66 हजार 353 और भाजपा के कुमारी रिंकू को 55 हजार 985 मत मिले तथा कांग्रेस के राजेश लिलोठिया केवल 11 हजार 823 मत पा सके।

इस तरह मतों के आंकड़ों का विश्लेषण करेंगे तो कहीं नहीं दिखेगा कि मुस्लिम मत भाजपा की ओर गया। भाजपा के सदस्य तथा एक दो प्रतिशत कहीं मतदान कर दें तो अलग बात है, अन्यथा मुस्लिम मतों की प्रवृत्ति भाजपा को हराने की ही रही। दरअसल , अलग-अलग मुस्लिम संगठनों, इमामों, मौलवीयों, मुल्लाओं, मुस्लिम बुद्धिजीवियों, एक्टिविस्टों आदि प्रमुख चेहरों ने हिंदुत्व विचारधारा के साथ भाजपा की इस्लाम विरोधी, दीन विरोधी छवि बना दिया है। इस कारण उनका वोट मिलना तत्काल मुश्किल है। भविष्य के बारे में अभी कुछ कहना कठिन है।

नजरिया

रैदास युगपुरुष और युगस्रष्टा सिद्ध संत थे

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

महामना संत रविदास कहो या रैदास- भारतीय संत परम्परा, भक्ति आन्दोलन और संत-साहित्य के जहां महान हस्ताक्षर है, वहीं वे अलौकिक-सिद्ध संत, समाज सुधारक, साधक और कवि हैं। दुनियाभर के संत-महात्माओं में उनका विशिष्ट स्थान है। सद्गुरु रामानंद के पारस स्पर्श ने चर्मकार रैदास को भारत वर्ष का महान चमत्कारी एवं सिद्धात्मा संत बना दिया था। वे निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। मन चंगा तो कठौती में गंगा, यह संत शिरोमणि रैदासजी के द्वारा कहा गया अमर सूक्ति भक्ति दोहा है, जो आज भी भारत के घर-घर में लोकप्रिय है। वे कबीर के समसामयिक कहे जाते हैं। उन्होंने जीवनपर्यन्त छुआछूत, ऊंच-नीच, जातिवाद जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराइयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान समाज सुधारक संत रैदासजी को जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

रैदासजी ने समता और समरसता की शिक्षा भी दी, और हमेशा दलितों, वंचितों की विशेष रूप से चिंता भी की। स्पष्ट है कि रैदासजी जैसे महान भक्त जाति, क्षेत्र तथा व्यवसाय आदि बंधनों से मुक्त थे। इसलिए रैदासजी हर जाति, वर्ग तथा व्यवसाय के लोगों के लिए पूजनीय है। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में रविदासजी ने भी धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जातिवाद एवं सम्प्रदायवाद के खिलाफ वातावरण बनाया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए रविदासजी ने संजीवनी बूंटी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना रविदासजी के काल में, रविदासजी के ही हाथों, उनकी रचनाओं-विचारों एवं कार्यों से हुई।

रविदासजी के जन्म को लेकर कई मत हैं। लेकिन उनके जन्म पर एक दोहा खूब प्रचलित है- चौदस सो तैंसीस कि माघ सुदी पन्दरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री गुरु रविदास- इस पंक्ति के अनुसार गुरु रविदास का जन्म माघ मास की पूर्णिमा को रविवार के दिन 1433 को हुआ था। इसलिए हर साल माघ मास की पूर्णिमा तिथि को रविदास जयंती के रूप में मनाया जाता है जोकि इस वर्ष 12 फरवरी 2025 को है। रैदास पंथ का पालन करने वाले लोगों में रविदास जयंती का एक विशेष महत्व है। रविदासजी का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के गोवर्धनपुर गाँव में एक मोची परिवार में हुआ था।

मध्यकाल की प्रसिद्ध संत मीराबाई भी रविदासजी को अपना आध्यात्मिक गुरु मानती थीं। रविदासजी ने लोगों को एक नई राह दिखाई कि घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। अपनी सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद भी रविदासजी भक्ति आंदोलन, हिंदू धर्म में भक्ति और समतावादी आंदोलन में एक प्रमुख पुरोधा पुरुष के रूप में उजागर हुए।

जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रैदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित मानवता, समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। जूते बनाने के कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। रैदासजी श्रीराम और श्रीकृष्ण भक्त परंपरा के कवि और संत माने जाते हैं। उनके प्रसिद्ध दोहे आज भी समाज में प्रचलित हैं जिन पर कई धुनों में भजन भी बनाए गए हैं। जैसे, प्रभुजी तुम चंदन हम पानी- इस प्रसिद्ध भजन को सभी गुनगुनाते हैं। क्योंकि उन्होंने कभी धन के बदले आत्मा की आवाज को नहीं बदला तथा शक्ति और पुरुषार्थ के स्थान पर कभी संकीर्णता और अकर्मण्यता को नहीं अपनाया। रैदासजी के उच्च आदर्श और उनकी वाणी, भक्ति एवं अलौकिक शक्तियों से प्रभावित होकर अनेक राजा-रानियों, साधुओं-महात्मा तथा विद्वज्जनों ने उनको सम्मान दिया है। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था तब संत गुरु रविदास एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। वे ईश्वर को पाने का एक ही मार्ग जानते थे और वो है भक्ति'। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि उनमें थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना रविदासजी के सर्वधर्म समभाव या वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन का द्योतक है।

पवित्रता, मानवीयता, आत्मनिर्भरता, सहिष्णुता और एकता रैदासजी के मुख्य धार्मिक संदेश थे। हिंदू धर्म के साथ ही सिख धर्म के अनुयायी भी गुरु रविदास के प्रति श्रद्धा भाव रखते हैं। यही कारण है कि रविदासजी की 41 कविताओं को सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव ने पवित्र ग्रंथ आदिग्रंथ या गुरुग्रंथ साहिब में शामिल कराया था। गुरु रविदासजी ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और अपने शिष्यों को उच्चतम शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया। रविदासजी कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्रष्टा कहलाए। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बाँधा। रविदासजी ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे।

रविदासजी एक सिद्ध एवं अलौकिक संत थे। एक कथा के अनुसार रविदासजी बचपन में अपने साथियों के साथ खेल रहे थे। उनमें से एक साथी अगले दिन खेलने नहीं आता है तो रविदासजी उसे ढूंढ़ते हुए उसके घर तक पहुंच जाते हैं। उसकी मृत्यु हो गई और वे मृत शरीर को देखकर बहुत दुखी होते हैं और अपने मित्र को बोलते हैं कि उठो ये समय सोने का नहीं है, मेरे साथ खेलो। इतना सुनकर उनका मृत साथी खड़ा हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि संत रविदासजी को बचपन से ही आलौकिक शक्तियां प्राप्त थी। संत गुरु रविदास ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा।

वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। रविदासजी शब्दों का महासागर हैं, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है। मीराबाई के आमंत्रण पर संत रैदासजी चित्तौड़गढ़ आ गये लेकिन यहां भी उनकी गंगा भक्ति तनिक भी कम नहीं हुई। वहीं पर उनका 120 वर्ष की आयु में निर्वाण हुआ। भारतीय सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परिवेश में संत रैदासजी गंगा भक्ति इतिहास में एक अमिट आलेख एवं सुनहरा पृष्ठ है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पवित्र स्नान

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान, गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम, त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए।

सनातन परंपरा को बचाए रखने में वनवासी समाज का बड़ा योगदान : होसबाले

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सोमवार को कहा कि सनातन हिंदुत्व परंपरा को बचाए रखने में वनवासी समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि इसी ज्ञान, संस्कार परंपरा के संवर्धन के लिए जनजाति क्षेत्र के संतों को अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

महाकुंभ नगर में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित जनजाति समागम के समापन के अवसर पर उन्होंने कहा, ''हिंदुत्व, भारतीय, सनातन परंपरा के सामने आज विदेशी विचारधारा थोपने और धर्मांतरण जैसे संकट खड़े हैं। इन संकटों का सामना करते हुए जनजाति क्षेत्र के संतों ने सुदूर वन क्षेत्र में अथक प्रयास किए। उनके इसी प्रयास के कारण आज हिंदू धर्म जीवित है।''

होसबाले ने कहा, ''आने वाले समय में पर्यावरण, अनुसंधान, शिक्षा संस्कार, धर्म जागरण और सेवा के माध्यम से जागृति लाकर जनजाति समाज की एकता और अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''वनवासी कल्याण आश्रम इसी दिशा में कार्यरत है। इसीलिए जनजाति क्षेत्र के सभी साधु संतों को कल्याण आश्रम का सहयोग कर इस सनातन संस्कृति को मजबूत करने का काम करना चाहिए।'' इस संत समागम में वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, श्री गंगाधर जी महाराज और श्री दादू दयाल जी उपस्थित थे।

इस समागम में देशभर के विविध प्रांतों से 77 जनजाति समाज के संत – महंत उपस्थित हुए थे। कुछ संतों ने जनजाति क्षेत्र में कार्य करते हुए आने वाली चुनौतियों एवं परिस्थिति के बारे में अपने अनुभव साझा किए।

आस्ट्रेलिया में तीसरी बार खिला सड़े हुए शव की दुर्गंध वाला फूल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में सड़े हुए शव की दुर्गंध वाला दुर्लभ फूल खिला है।तीन महीनों में इस तरह के फूल के खिलने का यह तीसरा मौका है। ऑस्ट्रेलियन नेशनल बॉटेनिक गार्डन में यह फूल शनिवार को पहली बार खिला और सोमवार तक मुरझाने की प्रक्रिया में था। इससे पहले, जनवरी के अंत में सिडनी के रॉयल बॉटेनिक गार्डन और नवंबर में मेलबर्न के पास गीलॉन्ग बॉटेनिक गार्डन में भी ऐसा ही फूल खिला था।

कॉर्प्स फ्लावर का वैज्ञानिक नाम अमोर्फोफैलस टाइटेनियम है। यह फूल इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा के वर्षावनों में पाया जाता है।

यह प्राकृतिक रूप से सात से दस साल में एक बार खिलता है और कुछ ही दिनों तक खिला रहता है। इसकी तेज दुर्गंध सड़े हुए मांस जैसी होती है जो मक्खियों और अन्य परागण करने वाले कीटों को आकर्षित करती है।

कैनबरा की कार्यकारी नर्सरी प्रबंधक कैरोल डेल ने कहा कि इस फूल के खिलने के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं है। उन्होंने बताया कि यह फूल तब खिलता है जब पौधा अपने भूमिगत कंद (कॉर्म) में पर्याप्त ऊर्जा जमा कर लेता है। उन्होंने कहा कि एक सिद्धांत यह है कि ऑस्ट्रेलिया में उगाए गए इन सभी पौधों की उम्र लगभग समान है और वे अब पर्याप्त ऊर्जा संचित करने के बाद फूल देने के लिए तैयार हो गए हैं।डेल ने यह भी बताया कि कैनबरा, सिडनी और गीलॉन्ग की जलवायु एक-दूसरे से अलग है और हर जगह इन पौधों को अलग-अलग खाद और देखभाल प्रदान की जाती है। डेल ने कहा, ''हमें नहीं लगा था कि हमारे यहां सही परिस्थितियां हैं। इसलिए, जब यह फूल खिला, तो यह हमारे लिए एक सुखद आश्चर्य था।'' फूल शनिवार दोपहर को खुलना शुरू हुआ और कुछ ही घंटों में पूरे इलाके में तेज दुर्गंध फैल गई।

डेल ने कहा, ''शनिवार शाम तक, इसकी गंध इतनी तीव्र हो गई थी कि इसे सड़क के दूसरी ओर से भी महसूस किया जा सकता था। यह दुर्गंध वास्तव में उल्टी कराने वाली थी।'' कैनबरा में खिले 135 सेंटीमीटर लंबे इस फूल को देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। ग्रीनहाउस में जगह की कमी के कारण टिकट प्रणाली के जरिए केवल कुछ सौ लोगों को ही अंदर जाने की अनुमति दी गई।

फूल की गंध को लेकर लोगों ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने इसे मरे हुए जानवर की बदबू जैसी बताया तो कुछ ने कहा कि यह सड़े हुए अंडों, पसीने भरे मोजों, सीवेज और कचरे की मिश्रित गंध जैसी है।

वेद केवल विज्ञान ही नहीं बल्कि, व्यवहारिक प्रौद्योगिकी है : टोनी नाडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। विश्वभर में वेद विज्ञान के प्रचारक एवं महर्षि अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. टोनी नाडर का कहना है कि वेद केवल विज्ञान नहीं है, बल्कि यह एक व्यवहारिक प्रौद्योगिकी है।

रविवार को महाकुंभ के त्रिवेणी संगम में स्नान करने आए नाडर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम लगातार पूरी दुनिया को वेद के बारे में जागरूक कर रहे हैं। हम वेद को केवल विज्ञान के रूप में नहीं, बल्कि व्यवहारिक प्रौद्योगिकी के रूप में दिखा रहे हैं जिससे सभी का जीवन और उनका सामाजिक जीवन बेहतर हो।'' उन्होंने कहा, दुनिया के 152 देशों में हमारे केंद्र हैं जहां हम वेद और इसकी व्यवहारिक प्रौद्योगिकी के बारे में प्रचार प्रसार कर रहे हैं। पचास के दशक में महर्षि महेश योगी जी पश्चिमी देशों में गए और वहां वेद तथा ध्यान के बारे में लोगों को बताया।''

नाडर ने कहा, हमने वैज्ञानिक तौर पर सिद्ध किया है कि 'ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन' मानसिक शांति और सौहार्द बनाने के लिए सबसे उत्तम तरीका है। साथ ही यह बीमारियों को दूर रखने और स्वास्थ्य अच्छा रखने में सहायक है।

वर्ष 2008 में ब्रह्मलीन हुए महर्षि महेश योगी के उत्तराधिकारी ने कहा, ''अगर हम सनातन धर्म का पालन करते हैं तो हम प्रकृति के नियमों का पालन करते हैं जिससे हमें जीवन में सही दिशा मिलती है। इन्हीं चीजों का वेदों, भगवद गीता में उल्लेख मिलता है।''

हावर्ड से प्रशिक्षित फिजिशियन और न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. नाडर ने संगम में डुबकी लगाई और अरैल में स्थापित महर्षि महेश योगी स्मारक में अपने गुरु की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। न्यूयार्क से आए जगदीश सेवानी ने संगम स्नान का अनुभव साझा करते हुए कहा, ''ऐसी अद्भुत अनुभूमि मैंने पहले कभी नहीं की। करोड़ों लोग इतने व्यवस्थित ढंग से स्नान कर रहे हैं, यह देखकर लगा कि कोई दिव्य शक्ति है जो लोगों को यहां खींचकर ला रही है।''

महर्षि योगी के घनिष्ट मित्र रहे सेवानी ने कहा, ''मैं इतने अद्भुत आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करता हूं। अभी तक अमेरिका की आबादी के लगभग डेढ़ गुना लोग यहां स्नान कर चुके हैं। इतनी भीड़ अमेरिका में आ जाए तो पता नहीं क्या होगा।

शर्वरी ने समंदर किनारे दिया शानदार मंडे मोटिवेशन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्वरी ने समंदर किनारे शानदार मंडे मोटिवेशन दिया है। शर्वरी ने एक बार फिर अपने जबरदस्त फिटनेस रूटीन से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। वह हमेशा अपने मंडे मोटिवेशन पोस्ट्स से लोगों को प्रेरित करती हैं और इस बार उन्होंने बीच पर टायर फ्लिप करके अपनी शानदार फिटनेस का प्रदर्शन किया। वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स की आगामी फिल्म अल्फा के अगले एक्शन शेड्यूल से पहले वह खुद को पूरी तरह से तैयार कर रही हैं। वर्ष 2024 पूरी तरह से शर्वरी के नाम रहा है। वह अब बॉलीवुड की सबसे चर्चित और डिमांड में रहने वाली अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं! मुंज्या जैसी 100 करोड़ की ब्लॉकबस्टर फिल्म ने उन्हें एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया, जिसमें उनका गाना तरस ग्लोबल हिट साबित हुआ।

इसके अलावा, महाराज की शानदार स्ट्रीमिंग सक्सेस और इंटेंस एक्शन-थ्रिलर वेदा में उनके दमदार अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। शर्वरी की नई मंडे मोटिवेशन तस्वीरों में उनका बीच पर किया गया टायर फ्लिप वर्कआउट सभी को हैरान कर रहा है। उनकी सिक्स-पैक एब्स और टोन्ड बॉडी देखकर फैंस दंग रह गए हैं!इस पोस्ट के लिए उन्होंने मज़ेदार कैप्शन दिया।अच्छे बीच वर्कआउट से कभी थकान महसूस नहीं होती। मंडे मोटिवेशन शर्वरी फिल्म अल्फा में आलिया भट्ट के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

माता सीता की दिव्य यात्रा को निभाना भावनात्मक और समृद्ध अनुभव रहा है : प्राची बंसल

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के शो 'श्रीमद रामायण' में माता सीता का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री प्राची बंसल का कहना है कि उनके लिये माता सीता की दिव्य यात्रा को निभाना भावनात्मक और समृद्ध अनुभव रहा है । सोनी सब का शो 'श्रीमद रामायण' श्री श्रीराम (सुजय रेउ) और माता सीता (प्राची बंसल) की पवित्र और शाश्वत गाथा को गहन भावनाओं और श्रद्धा के साथ जीवंत बना रहा है। आगामी एपिसोड्स में सहस्त्रमुख रावण (प्रनीत भट्ट) के प्रभाव में एक शक्तिशाली राक्षस अयोध्या के लोगों के मन में शंका के बीज बो देता है, जिससे वे माता सीता की पवित्रता पर प्रश्न उठाने लगते हैं। श्री राम इन मांगों के खिलाफ मजबूती से खड़े रहते हैं, लेकिन परिस्थितियों के दबाव के कारण, उन्हें भगवान हनुमान (निर्भय वाधवा) को एक हृदयविदारक संदेश देने का दायित्व सौंपना पड़ता है,कि माता सीता को अग्नि परीक्षा देनी होगी। भगवान राम आशा करते हैं कि माता सीता कभी भी ऐसा निर्णय नहीं लेंगी जो उन्हें अलग कर दे। हालांकि, मजबूत सकल्प के साथ माता सीता एक दिव्य निर्णय लेती है– यह एक ऐसा निर्णय है जो उनकी धरती की गोद में वापसी की ओर जाती है, यह उनकी यात्रा को मजबूत और अध्यात्मिक निष्कर्ष की ओर ले जाता है।इस भावनात्मक क्षण में, श्री राम अत्यंत दुखी हो जाते हैं और माता सीता को रोकने का हर संभव प्रयास करते हैं। लेकिन जैसे ही भावनाएं चरम पर पहुंचती हैं, स्वयं देवता प्रकट होकर उन्हें शांत करने का प्रयास करते हैं। प्राची बंसल ने कहा,बार-बार अपनी पवित्रता सिद्ध करने के बाद माता सीता यह निर्णय लेती हैं कि अब उनकी नश्वर यात्रा समाप्त होनी चाहिए। अपनी संपूर्ण दिव्यता के साथ, वह उसी धरती की गोद में लौटने का चयन करती हैं, जहां से वह आई थीं। इस शो का हिस्सा बनना और माता सीता की इस दिव्य यात्रा को निभाना मेरे लिए एक भावनात्मक और समृद्ध अनुभव रहा है।

स्नान

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, परिवार के साथ, प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करते हुए।

कोई योजना नहीं, बस बहाव के साथ आगे बढ़ना चाहती हूं: श्रेया चौधरी

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' से ख्याति पाने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी का कहना है कि वह पारंपरिक करियर पथ को नहीं अपनाना चाहतीं और उन्हें विश्वास है कि सही परियोजनाएं उनके पास आती रहेंगी। 'कमांडो' सीरीज और लघु फिल्म 'कंडीशंस अप्लाई' जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकीं श्रेया इन दिनों ओटीटी मंच अमेजन प्राइम वीडियो की फिल्म 'द मेहता बॉयज़' में नजर आ रही हैं।

श्रेया ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''मुझे फिल्म देखना पसंद है, लेकिन मैं अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सिनेमा जैसे तेलुगु, मलयालम, मराठी, थाई और इतालवी फिल्मों को देखते हुए बड़ी हुई हूं। अभिनेत्री के रूप में, मैं हर तरह की भूमिकाएं निभाना चाहती हूं। मेरे पास कोई निश्चित योजना नहीं है, बस बहाव के साथ आगे बढ़ना चाहती हूं।'' उन्होंने कहा कि वह भाग्यशाली महसूस करती हैं कि उन्हें 'बंदिश बैंडिट्स' और 'द मेहता बॉयज़' जैसी परियोजनाओं का हिस्सा बनने का मौका मिला। श्रेया ने कहा कि 'बंदिश बैंडिट्स' की सफलता के बाद उनके करियर ने एक नया मोड़ लिया। उन्होंने कहा, ''अब मैं एक अभिनेत्री के रूप में देखी जा रही हूं, जो मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं बेहतरीन कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं। चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हूं और अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं। अपने काम के लिए प्यार और सराहना मिलना अच्छा लगता है। अब यहां से सिर्फ आगे बढ़ना है।'

सलमान खान ने सूरज बड़जात्या को 'बड़ा नाम करेंगे' के लिए शुभकामना दी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने फिल्मकार सूरज बड़जात्या को उनकी सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' के लिये शुभकामना दी है। सूरज बड़ाजात्या ने 'बड़ा नाम करेंगे' के जरिये ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। यह सीरीज सोनी लिव पर सात फरवरी से स्टीम हो रही है।

सलमान खान ने सूरज बड़जात्या के साथ 'मैंने प्यार किया' ,'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ साथ हैं' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। सूरज बड़जात्या की पहली ओटीटी सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' को सलमान खान ने बेहद खास बताया है। सलमान खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'बड़ा नाम करेंगे' का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है, 'सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे! सूरज, देवांश और पूरी टीम को बहुत शुभकामनाएं। यह सीरीज कुछ खास होने वाली है'। सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' में ऋतिक घनशानी, आयशा कादुस्कर, कंवलजीत सिंह, अल्का अमीन, राजेश जैस, चित्राली लोकेश, दीपिका अमीन, ज़मील खान, राजेश तैलंग, अंजना सुखानी, साधिका सयाल, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रियम्वदा कांत, ओम दुबे और भावेश बबानी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं।

पारुल गुलाटी बनीं 'डोनाली' का हिस्सा, डकैती करते आएंगी नजर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पारुल गुलाटी सिरीज़ डोनाली में काम करती नजर आयेंगी। पारुल गुलाटी जल्द ही दर्शकों को अपने नए पीरियड ड्रामा डोनाली में एक दमदार अवतार में नज़र आएंगी। इस सिरीज़ का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर ई. निवास ने किया है। डोनाली में चंकी पांडे, दिव्येंदु शर्मा, बरुण सोबती, संध्या मृदुल और पारुल गुलाटी जैसे शानदार कलाकार नज़र आएंगे। 1960 के दशक के चंबल के डकैतों की कहानी पर आधारित यह सिरीज़ एक ज़बरदस्त सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। ग्वालियर और इसके आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर शूट की गई यह सिरीज़ ग्वालियर, पनिहार और अन्य छोटे कस्बों के असली लोकेशंस को दिखाती है, जिससे इसकी कहानी को एक वास्तविकता का अहसास मिलेगा। कहा जा रहा है कि चंकी पांडे और पारुल गुलाटी इस सिरीज़ में डकैतों की भूमिका निभाते नज़र आएंगे। पारुल ने कहा, डोनाली ई. निवास सर के दिल के बहुत करीब है। मेरी भूमिका काफी परतों वाली और दमदार है। इस किरदार के ज़रिए दर्शकों को मेरा एक नया रूप देखने को मिलेगा, जिसे लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं।इसके अलावा, इतने शानदार कलाकारों चंकी सर, बरुण और दिव्येंदु के साथ काम करना मेरे लिए एक बेहतरीन अनुभव होने वाला है। इस कहानी में एक गहरा भावनात्मक पहलू भी है, जो इसे और खास बनाता है। डोनाली इस साल के अंत तक रिलीज़ होने की उम्मीद है, जो दर्शकों को चंबल के डकैतों की जटिल ज़िंदगी और उस दौर की उथल-पुथल भरी दास्तान से रूबरू कराएगी।

हास्य कार्यक्रम के निर्माताओं और प्रतिभागियों के खिलाफ 'अश्लील' सामग्री के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज

मुंबई/एजेन्सी

भाजपा के एक पदाधिकारी ने यूट्यूब पर प्रसारित एक रियलिटी हास्य शो के निर्माताओं, जजों और प्रतिभागियों के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा और अश्लील सामग्री के इस्तेमाल को लेकर सोमवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (जोन 9) दीक्षित गेदाम ने कहा कि शिकायत के आधार पर जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, विशेष रूप से, सोशल मीडिया की लोकप्रिय शख्सियत रणवीर अल्लाहबादिया को समय रैना के इंडियाज गॉट लेटेंट शो में माता-पिता और सेक्स पर अपनी अशोभनीय टिप्पणी के लिए ट्रोल किया गया है। अल्लाहबादिया ने शो में अपनी टिप्पणी के लिए माफ़ी भी मांगी है।

एक अधिकारी ने बताया कि भाजपा पदाधिकारी नीलोत्पल मृणाल पांडे ने मुंबई में खार पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में रैना, अल्लाहबादिया और अन्य को नामजद करते हुए उन पर कार्यक्रम में अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने लिखित शिकायत के साथ एक पेन ड्राइव में एक वीडियो भी प्रस्तुत किया है। पुलिस के अनुसार, पांडे ने ऐसे लोगों के खिलाफ़ कार्रवाई की मांग की है और आरोप लगाया है कि यह कार्यक्रम अपमानजनक भाषा, अश्लीलता और नग्नता को बढ़ावा देता है, जो युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव डालता है और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के खिलाफ है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 11-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन के तत्वावधान में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी के सान्निध्य में मुमुक्षु संतोषकुमारी कर्नावट की जैन भागवती दीक्षा संपन्न हुई। सुबह वृहद थाल का आयोजन हुआ।

विश्वकर्मा मंदिर में हुआ वार्षिक ध्वजारोहण और हुए अनेक धार्मिक अनुष्ठान

किरताराम बने समाज के नए अध्यक्ष, किशोर फिर बने मंडल अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जांगिड़ समाज ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में टेंक बंड रोड स्थित विश्वकर्मा भवन में दो दिवसीय भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती समारोह के दूसरे दिन सोमवार को गुगरिया परिवार दुदौड़ द्वारा मंदिर के शिखर पर पूरे विधि विधान से ध्वजारोहण किया। इस मौके पर हवन का आयोजन हुआ जिसमें लाभार्थियों ने आहूतियां दी। लाभार्थी परिवारों द्वारा हवन,

आरती, माला, अभिषेक व गुलाल पूजा की।

इस वार्षिकोत्सव के मौके पर समाज की वार्षिक सभा का आयोजन हुआ जिसमें सर्वसम्मति से किरताराम छड़िया को कमेटी का नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया। किशोरकुमार गुगरिया को पुनः नवयुवक मंडल का अध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर सभी मेहमानों व लाभार्थियों का सम्मान किया। बैठक में समाज हित में अनेक विषयों पर चर्चा हुई व कई ठोस निर्णय लिए गए। सुबह से ही मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ा हुआ था सभी ने कतारबद्ध होकर आराध्य भगवान श्री विश्वकर्मा जी के दर्शन करके महाप्रसाद ग्रहण किया।

दीक्षार्थी संतोषकुमारी कर्नावट बनीं साध्वीश्री अक्षतनिधिश्री

नरेशमुनि के सान्निध्य में मुमुक्षु की जैन भागवती दीक्षा संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन के तत्वावधान में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी के सान्निध्य में मुमुक्षु संतोषकुमारी कर्नावट की जैन भागवती दीक्षा संपन्न हुई। सुबह वृहद थाल का आयोजन हुआ। तत्पश्चात मुमुक्षु संतोषकुमारी की अभिनिष्क्रमण यात्रा संयम स्वीकार करने हेतु गणेशबाग के प्रांगण में पहुंची। विल्सन गार्डन के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, मंत्री सज्जन बोहरा, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद पिछोलिया, संयोजक माणकचंद बोहरा आदि पदाधिकारियों, राजुल महिला मंडल, विल्सनगार्डन जैन युवा संगठन, प्रेरणा बहू मंडल ने मुमुक्षु की अगवानी की। संयम महोत्सव में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि तीर्थंकर भगवान महावीर द्वारा प्ररुपित 5 महाव्रतों का पालन करने वाले साधक संयम साधना द्वारा संसार सागर से पार हो जाते हैं, संसार के जन्म मरण के परिभ्रमण से सदा सदा के लिए मुक्ति प्राप्त कर लेते हैं। संतश्री वीरेंद्रमुनिजी ने कहा कि संसार में चक्रवर्ती की रिद्धि मिलना भी

आसान है लेकिन संयम मिलना अत्यंत दुर्लभ है। युवावस्था में मुमुक्षु ने संयम स्वीकार कर समग्र युवा जगत के लिए आदर्श प्रस्तुत किया है। शालिभद्रमुनिजी ने कहा कि संयम स्वीकार करना कोई साधारण लोगों का काम नहीं है यह वीरों का मार्ग है।

मुमुक्षु संतोषकुमारी ने कहा कि सांसारिक भोगोपभोग सुख के आभास मात्र है इनके पीछे दुख छुपा हुआ है। मैं संयम साधना द्वारा संसार के समस्त बंधनों से मुक्त होकर शाश्वत एवं अनंत सुख प्राप्त करने हेतु दीक्षा स्वीकार कर रही हूं। उपप्रवर्तिनी सुधाकंवरश्रीजी, उपप्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभाश्रीजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, साध्वी आगमश्रीजी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अनेक संतों व वरिष्ठ पदाधिकारियों के शुभकामना पत्रों का वाचन हुआ । दीक्षा विधि के पश्चात उपप्रवर्तक नरेशमुनि ने दीक्षा विधि संपन्न कराई और दीक्षा प्रदान कर उनका नवीन नामकरण साध्वी अक्षतनिधिश्री के नाम की घोषणा की।मुमुक्षु की बड़ी दीक्षा 19 फरवरी को अक्कीपेट जैन संघ में होगी। नरेशमुनिजी ने होली चातुर्मास सेलम एवं अक्षय तृतीया पारणे कोयंबत्तूर संघ में करने की घोषणा की। समारोह में बसंतमुनिजी, सुप्रभाश्रीजी, पुनीतज्योतिश्रीजी आदि साध्विगण की भी निश्रा प्राप्त हुई।इस अवसर मुख्य अतिथि के रूप में बेंगलूरु सेंट्रल के पुलिस महानिदेशक लाभूराम का सम्मान किया गया। गंगावती एवं इचलकरंजी संघ के सदस्यों ने उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी से चातुर्मास के लिए निवेदन किया। समारोह में मुमुक्षु के धर्म माता-पिता उगमादेवी-मीठालाल मकाणा, पाट बिठाई के लाभार्थी प्रकाशचंद दीपक अमित बेताला, केसर छंटाई रस्म के लाभार्थी देवीचंद शांतिलाल अशोक बोहरा परिवार, मेहंदी रस्म के लाभार्थी गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट, मुमुक्षु शोभायात्रा लाभार्थी बाबूलाल जितेंद्रकुमार धोका परिवार, जय जिनेंद्र लाभार्थी मीठालाल ज्ञानेंद्रकुमार कमलेश मकाणा परिवार एवं समस्त सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर गणेशबाग के अध्यक्ष लालचंद मांडोत, उपाध्यक्ष संपतराज कोठारी, कोषाध्यक्ष सुदर्शन मांडोत, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, मंत्री महावीरचंद मेहता, बाबूलाल रांका, महेन्द्रकुमार रांका, रतनलाल सिंघी आदि उपस्थित थे। संचालन गौतमचंद ओस्तवाल ने किया। प्रचार प्रसार संयोजक प्रकाशचंद बाफना ने बताया कि इस समारोह में बेंगलूरु सहित चेन्नई, रायचूर बेलगावी, मैसूरु आदि अनेक नगरों से भारी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

शिल्प व वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति होगा बेंगलूरु का सालासर बालाजी मंदिर

मंदिर के गर्भगृह की पूजा 14 अप्रैल को ब्रह्मर्षि गुरुदेव द्वारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में बीटीएम लेआउट के रांका कालोनी में कुल 25 हजार वर्गफीट के भूखंड पर सालासर बालाजी मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है। अयोध्या के रामलला के मंदिर निर्माण में शामिल वास्तुकार व शिल्पकार चेतन सोमपुरा के निर्देशन में मंदिर का निर्माण 12,250 वर्ग फीट में बहुत ही व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। मंदिर का शिखर लगभग 72 फीट ऊंचा होगा। सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका ने बताया कि मंदिर के द्वार अर्थात मुख्य मार्ग पर श्रृंगार चौकी बनाई जा रही है जिसमें संगमरमर के इनले पद्धति का फर्श बनाया जा रहा है। 7 हजार वर्गफीट में मंदिर का रंगमंडप बनाय जा रहा है जो कि स्तंभ रहित होगा ताकि बालाजी की प्रतिमा के दर्शन आसानी व सुविधा से हो सके। मंदिर के संतृप्ति स्थान में तीन गर्भगृह होंगे, जिसमें सबसे बड़ा मुख्य गर्भगृह

होगा, जहां भगवान सालासर बालाजी विराजमान होंगे।

समिति के उपाध्यक्ष सतीश मित्तल ने बताया कि यह सालासर मंदिर आस्था के केन्द्र के साथ साथ हिंदू मंदिर वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति भी होगा। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में भी बंसी पहाड़पुर क्षेत्र का लाल पत्थर लगाया जा रहा है तथा जिसपर बहुत ही बारीकी से शिल्पकारी की जा रही है।

अयोध्या राम मंदिर में भी बंसी पहाड़पुर का ही पत्थर का उपयोग किया गया है क्योंकि यह जबकि कंक्रीट के निर्माण के मुकाबले अधिक टिकाऊ है। उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण को लेकर बेंगलूरु ही नहीं पूरे दक्षिण भारत में सालासर मंदिर के लिए विशेष उत्साह है। समिति के सचिव मनित सोमानी ने बताया कि सनातन धर्म में मंदिर निर्माण में शिलापूजन के लाभ को उत्कृष्ट माना गया है उसी उद्देश्य से शिला सहयोग के लिए मंदिर ने एक योजना बनाई है जिसमें प्रत्येक शिला के लिए 11 हजार रुपए की सहयोग राशि तय की गई है। उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन मंदिर की गर्भगृह की पूजा का आयोजन 14 अप्रैल को किया है। 12 अप्रैल को हनुमान जयंती व 13 अप्रैल को धार्मिक अनुष्ठान होंगे, जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है। गर्भगृह की पूजा तिरुपति सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के कर कमलों से सम्पन्न होगी।

सुसवाणी धाम में तिरुपति बालाजी मंदिर के लिए हुआ शिलान्यास

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। शहर के होसूर रोड़ स्थित सुसवाणी माता धाम में तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर निर्माण हेतु शिलान्यास विधि विधान सम्पन्न हुआ। धाम निर्माता भवरीबाई घेवरचंदजी सुराणा परिवार के भवरीबाई, दिलीप-अर्चना, जयंत सुराणा, शैलेश सिरोया आदि ने तिरुपति तिरुमला से आए पंडितवर्य के मंत्रोच्चार के बीच तिरुपति मंदिर के लिए शिला रखी। प्रातः से प्रारंभ पूजा के बाद हवन भी हुआ। इस अवसर पर करुण जैन, नरेश देवता, संजय सांड़, पीयूष जैन, प्रमोद पोकरणा, सरदारमल सुराणा, रिखबचंद सुराणा, राजेन्द्र सुराणा, महेश भंडारी, विजय शाह, सुराणा संघ के अध्यक्ष महीपाल सुराणा आदि उपस्थित थे।

आध्यात्मिकता और वैज्ञानिकता का प्रभाव व्यक्ति के विकास में निहित है : मुनिश्री मोहजीतकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के तत्वावधान में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी,भव्यकुमारजी के सान्निध्य में 'थिंक डिफरेन्ट, डू डिफरेन्ट, बी डिफरेन्ट' नामक बेंगलूरु स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में अर्हम भवन में हुआ। मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने कहा कि नई सोच, नया चिन्तन, नई अवधारणा को वर्तमान जीवन शैली के साथ तालमेल जोड़ना जरूरी है। नई पीढ़ी में अपनी स्वगत चिन्तन धारा को विकसित करना होगा । पश्चिम की संस्कृति से मुड़ कर नया करने की मानसिकता के निर्माण में बुद्धि और विवेक को जगाना होगा। जयेशकुमारजी ने कहा कि आज के इस तेज़ी से बदलते युग में व्यक्ति नई सोच के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है। व्यक्ति अपनी अलग सोच से सामान्य कार्य को भी असाधारण उत्कृष्टता प्रदान कर सकता है। सफलता के लिए छोटी छोटी खुशियों का बलिदान करना ही पड़ता है। हर महान व्यक्ति ने इनका बलिदान देकर ही असाधारण सफलताओं को हासिल किया है।

श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन पवन मांडोत ने किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि दिनेश पोखरणा ने चिंता और स्वस्थ चिंतन में फर्क करने हेतु प्रेरणा प्रदान की। मुख्य प्रशिक्षक पदम संचेती ने बड़े लक्ष्यों को हमेशा सामने रखने हेतु अवचेतन मन को सकारात्मक, अनुशासित बनाने हेतु अच्छी आदतों पर कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की। समारोह अध्यक्ष पवन मांडोत ने वर्तमान स्थिति में व्याप्त चुनौतियों में सोशल मीडिया के उपयोग एवं विशिष्ट तरीकों का उदाहरण देते हुए श्रोताओं का मार्गदर्शन किया। सहयोगियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अणुविभा संगठन मंत्री राजेश चावत, अर्हम मित्र मंडल अध्यक्ष बहादुर सेठिया, टीपीएफ वेस्ट अध्यक्ष ललित बेगानी, महिला मंडल उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया सहित तेयुप उपाध्यक्ष विकास बांठिया, अशोक मारु, सहमंत्री कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर आदि अनेक संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। संयोजक विकासबाँठिया एवं सहसंयोजक विनय पितलिया ने व्यवस्था संभाली। संचालन मंत्री संजय भटेवरा एवं राकेश पोकरणा ने किया। सहमंत्री पवन बैद ने धन्यवाद किया।

विधिविधान व हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ शंकरपुरम प्रतिष्ठा महोत्सव पत्रिका लेखन समारोह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शंकरपुरम में आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट द्वारा आयोजित व आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी की निश्रा में केसरिया आदिनाथ प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को शुभ मुहूर्त में आमंत्रण पत्रिका लेखन एवं घर-घर तोरण बांधने का विधान संतों की निश्रा में विधि विधान संपन्न हुआ। संघ के सदस्यों ने सबसे पहले श्रद्धा एवं भक्ति के साथ परमात्मा नाम से पत्रिका लिखी व मंदिर में तोरण बांधकर अनुष्ठान संपन्न किया। मराठा हॉस्टल में महिला मंडल की समर्पित सदस्याओं गहुली का निर्माण किया। बालिका मंडल ने स्नात्र पूजा की। पत्रिका लेखन का सामैया साकरिया परिवार निवास से प्रारंभ होकर शोभायात्रा के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचा। विपिन पोरवाल ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर प्रतिमा भराने के लिए चढ़ावे बोले गए। विक्रम गुरुजी ने संचालन किया। जय जिनेन्द्र के विशेष लाभार्थी परिवार के 27 सदस्यों एवं ट्रस्ट मंडल के प्रमुख सदस्यों ने विभिन्न तीर्थों, मंदिरों एवं संघों के नाम 54 पत्रिकाएँ लिखी।

'बजट इनसाइट्स 2025' में बजट पर हुई विस्तार से चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जीतो साउथ व नार्थ चैप्टर ने संयुक्त रुप से 'बजट इनसाइट्स 2025' का आयोजन किया, जिसमें केंद्रीय बजट 2025 और इसके व्यवसायों पर प्रभावों को समझने के लिए एक व्यापक चर्चा हुई। जीतो के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन किया। साउथ चैप्टर के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत करते हुए जीतो की आर्थिक सशक्तिकरण, सेवा, और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने कहा कि जीतो इस तरह के कार्यक्रम से समाज के विकास को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं, जिससे व्यवसायिक क्षेत्र में प्रगति हो। नार्थ महामंत्री विजय सिंघवी ने रुपरेखा बताई तथा जीतो प्रोफेशनल फोरम का लॉन्च किया।

चर्चा में मुंबई से प्रसिद्ध वक्ता सीए विमल पुनमिया ने बजट में किए गए 100 से अधिक संशोधनों और व्यवसायिक क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण और आधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग के कारण व्यवसाय अधिक पारदर्शी और सुलभ हो गया है। पुनमिया ने कहा कि महिलाओं को आयकर के बारे में सटीक जानकारी होनी चाहिए, जिससे वे अपने वित्तीय अधिकारों और जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझ सकें। जीएसटी विशेषज्ञ ऋषभ सिंघवी ने बताया कि सरकार विभिन्न स्रोतों से डेटा एकत्र करती है, जिनमें आईटीआर, जीएसटी रिटर्न, बैंकिंग लेनदेन, डिजिटल भुगतान, आयात-निर्यात रिकॉर्ड और पैन-आधार लिंक शामिल हैं ताकि डेटा का विश्लेषण करने से कर चोरी पर अंकुश लगाया जा सके। कार्यक्रम में शिरीष शाह और हरिकिशन छाजेड़ द्वारा संचालित पैनल चर्चा में विमल पुनामिया और ऋषभ सिंघवी ने व्यवसाय, कराधान और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। दोनों चैप्टर ने 15से20 अप्रैल तक आयोजित कैंटन बिजनेस फेयर 2025 योजना लॉन्च की। कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता जताई। प्रमुख अतिथियों में श्रीपाल बच्छावत, जीतो एपेक्स सचिव, एपेक्स निदेशक और केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, केकेजी जोन कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन सहित दोनों चैप्टर के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। सचिव प्रतीक गांधी ने सत्र की मेजबानी की। साउथ के सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र संकलेचा ने धन्यवाद दिया।

आरआर नगर तेरापंथ टीम ने बेलगावी में ली चातुर्मास विहार की जिम्मेदारी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर में आरआर नगर तेरापंथ भवन में वर्ष 2025 के लिए चातुर्मास करने विहार करते हुए आ रही साध्वीश्री पुण्ययशाजी के दर्शनार्थ सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ के मार्गदर्शन में उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़, सेवा प्रभारी बुद्धमल बैंगाणी, सहप्रभारी हिमांशु बोथरा एवं कौशल लोढ़ा ने बेलगावी पहुंचे और साध्वीवृन्द की कुशलक्षेम पूछी। भायंदर सभा के अभव बाफना ने बेंगलूरु की ओर आगे की विहार सेवा की जिम्मेदारी का हस्तांतरण राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों को सौंपी। सभी श्रावकों ने हुब्बल्ली में विराजित मुनिश्री पुलकितकुमारजी के दर्शन भी किए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com